Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 102 जयपुर, सोमवार, 16 सितम्बर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ₹1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

केजरीवाल 17 सितंबर को दिल्ली सीएम पद से इस्तीफा देंगे

इसी दिन मोदी का 74वां जन्मदिन, इस्तीफ़े के बाद विधायक नया मुख्यमंत्री चुनेंगे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। केजरीवाल ने दिल्ली के आप ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते समय इस्तीफ़े का ऐलान किया। इस दौरान उन्होंने 'भगत सिंह की जेल डायरी' किताब भी दिखाई। 2 दिन पहले (13 सितंबर) जमानत पर जेल से बाहर आए अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि वे 2 दिन में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। केजरीवाल आम आदमी पार्टी के दफ्तर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- 'भाजपा ने मुझ पर बेईमानी, भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, अब जनता की अदालत में मेरी ईमानदारी का फैसला होगा। दो-तीन दिन में विधायकों की बैठक में नया एख्र चुना जाएगा। चुनाव तक मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। मनीष सिसोदिया भी कोई पद नहीं लेंगे, उनका भी यही सोचना है। केजरीवाल के दो दिन में इस्तीफा देने के सवाल पर दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा- 'आज रविवार है, सोमवार को ईद की छुट्टी है। वर्किंग डे 17 सितंबर को है। इस वजह से अरविंद ने 2 दिन का समय लिया है।' केजरीवाल ने कहा कि जनता को तय करना है कि केजरीवाल ईमानदार है या बेईमान। चुनाव के बाद जनता ने चुना तो पद पर बैठूंगा। चुनाव होने तक पार्टी दो-तीन दिन में नया मुख्यमंत्री चुनेगी। सूत्रों के मुताबिक, आतिशी, कैलाश गहलोत, गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज और सुनीता केजरीवाल में से कोई एक मुख्यमंत्री बन सकता है।

भगत सिंह की किताब लेकर पहुंचे

केजरीवाल सभा में भगत सिंह की जेल में लिखी किताब ''भगत सिंह की जेल डायरी'' लेकर पहुंचे। कहा कि भगत सिंह के खत अंग्रेज बाहर ले जाते थे। मैं जेल में था, मेरी चिट्ठी एलजी तक नहीं पहुंचाई गई। मुझे धमकाया गया कि दोबारा ऐसा ना करूं। खुद को क्रांतिकारी मुख्यमंत्री कहा: केजरीवाल ने कहा कि भगत सिंह के बाद, 90-95 साल बाद आजाद भारत में एक क्रांतिकारी मुख्यमंत्री जेल गया। 15 अगस्त से 3 दिन पहले एलजी से कहा था कि मेरी जगह आतिशी को तिरंगा फहराने दिया जाए। चिट्ठी एलजी तक नहीं गई। 5 अक्टूबर को हरियाणा में वोटिंग है। राज्य में कांग्रेस से इइघ्का गठबंधन नहीं हुआ है। इसके बाद यहां सभी 90 सीटों पर पार्टी ने प्रत्याशी उतारे हैं। केजरीवाल का पूरा फोकस अब हरियाणा में चुनाव प्रचार पर होगा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भी केजरीवाल प्रचार कर सकते हैं। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल फरवरी 2025 में खत्म हो रहा है। यानी सरकार के पास चुनाव में सिर्फ 5 महीने ही बचे हैं।

माता सीता की तरह मेरी अग्निपरीक्षा

दिल्ली सीएम ने कहा कि जब 14 साल के बाद भगवान राम वनवास से लौटे तो माता सीता को अग्नि परीक्षा देनी पड़ी थी। आज मैं अग्निपरीक्षा दूंगा। केजरीवाल ने कहा- मैं सभी नॉन भाजपा सीएम से प्रार्थना करता हूं। अगर घ्ख्र जेल भेजें तो इस्तीफा मत देना। हम सबको मिलकर लड़ना है। बहुमत से सरकार आई और मुख्यमंत्री इस्तीफा दे दे। इनका फॉर्मूला आम आदमी पार्टी ने फ़ेल कर दिया। केजरीवाल बोले- फरवरी में चुनाव हैं, मैं मांग करता हूं कि चुनाव नवंबर में कराए जाएं। महाराष्ट्र के साथ चुनाव हों। आपका फैसला आने तक मैं जिम्मेदारी नहीं संभालूंगा। आम आदमी पार्टी से कोई और मुख्यमंत्री बनेगा। दिल्ली शराब नीति केस में अरविंद केजरीवाल 177 दिन बाद जेल से जमानत पर बाहर आए। सुप्रीम कोर्ट ने शर्त रखी कि वो एख्र ऑफिस नहीं जाएंगे और ना ही किसी फाइल पर साइन करेंगे। यानी जेल से बाहर आने और मुख्यमंत्री रहते हुए भी उनके पास पावर नहीं रहा। सरकार कैबिनेट भरोसे चलेगी। इस दौरान सरकारें लोकलुभावन चुनावी फैसले लेती हैं। केजरीवाल कोर्ट की शर्तों में बंधे। जेल से छूटने के बाद केजरीवाल के साथ सिंपथी है। दो-तीन महीने पहले दिल्ली में चुनाव की मांग कर केजरीवाल इस सिंपथी को भुनाना चाहेंगे। दिल्ली शराब नीति केस में नाम आने और गिरफ्तारी के बाद से ही भाजपा के नेता अरविंद केजरीवाल से मुख्यमंत्री पद छोड़ने की मांग कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में 72 घंटे के भीतर छठा एनकाउंटर

पुंछ के बाद कठुआ में मुठभेड़ जारी, अब तक 5 आतंकी ढेर और 2 जवान शहीद

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बीते 72 घंटे में चौथी बार आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। रविवार (15 सितंबर) की दोपहर कठुआ के नुकनाली नाला में गोलीबारी हो रही है। सेना और पुलिस को आतंकियों के होने की जानकारी मिली थी। सेना और पुलिस जब इलाके में जॉइंट ऑपरेशन चला रही थी। तभी आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी की। इलाके में 2-3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई गई है। इससे पहले आज सुबह पुंछ में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। मेंढर के गुरसाई टॉप के पास पठानतीर इलाके में 2-3 आतंकी छिपकर सेना पर फायरिंग कर रहे हैं। यहां भी ऑपरेशन जारी है। सेना ने बताया कि एनकाउंटर वाली जगह पर और जवानों को भी भेजा जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में बीते 3 दिन में 6वां एनकाउंटर है। अबतक 5 आतंकी मारे जा चुके हैं और 2 जवान शहीद हुए हैं। पहला एनकाउंटर, 13 सितंबर: किश्तवाड़ के नैदघाम गांव में शुक्रवार दोपहर को मुठभेड़ शुरू हुई। इसमें जैश-ए-मोहम्मद के 3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इस एनकाउंटर में 2 जवान शहीद हुए थे। शुक्रवार को कठुआ के खंडारा में सेना का ऑपरेशन चला। यहां

राइजिंग स्टार कोर के सैनिकों ने दो आतंकियों को मार गिराया गया। आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए। तीसरा एनकाउंटर, 13-14 सितंबर: बारामूला के क्रेरी के चक टापर इलाके में शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे मुठभेड़ शुरू हुई। देर रात ऑपरेशन रोक दिया गया था। शनिवार सुबह सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया। शनिवार सुबह एलओसी के पास मुठभेड़ नौशेरा सेक्टर के कलाल इलाके में घुसपैठ कर रहे आतंकियों से सेना की मुठभेड़ हुई। इसमें सेना का एक अधिकारी घायल हुआ था। रविवार सुबह पुंछ में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। मेंढर के गुरसाई टॉप के पास पठानतीर इलाके में 2-3 आतंकी छिपकर सेना पर फायरिंग कर रहे हैं। यहां भी ऑपरेशन जारी है।

किरोड़ी बोले- गहलोत राज में 3500 करोड़ के घोटाले हुए

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से भी ज्यादा टीए-डीए उठा रहे अधिकारी, गृह राज्यमंत्री को सौंपे डॉक्युमेंट

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम को सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग (डीओआईटी) में हुए कथित 3500 हजार करोड़ के घोटालों की शिकायत की है। किरोड़ी मीणा रविवार को बेढम के आवास पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने बताया- गहलोत राज में डीओआईटी में करीब 3500 करोड़ के घोटाले की शिकायत एसीबी में की गई थी, लेकिन गहलोत सरकार ने एसीबी को जांच की इजाजत नहीं दी। किरोड़ी बोले- कबाड़ा गहलोत सरकार में हुआ है, लेकिन अब हमारा मौका है। हमारी सरकार है, ऐसे में गृह राज्य मंत्री बेढम से मिलकर इन घोटालों की जांच के लिए एफआईआर दर्ज करने की मांग करने आया हूं। इस मुलाकात के बाद मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा- सरकार में सीनियर मंत्री किरोड़ीलाल मीणा कांग्रेस राज में हुए घोटाले की जांच करवाने की मांग लेकर आए थे। मैंने डीजीपी को फोन कर कहा है कि इस मामले की जांच कर कार्रवाई करें। किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि जिस लेटरल एंट्री का विपक्ष ने विरोध किया था, उसी तरह की लेटरल एंट्री डीओआईटी के अधिकारियों ने पिछले शासनकाल में की थी। विभाग में बिना किसी सरकारी एजेंसी के ही लोगों को सीधे भर्ती कर लिया गया था। इन घोटालों में संबंधित कंपनियों और अधिकारियों के

खिलाफ एफआईआर दर्ज होकर इनकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने दावा भी किया कि इन घोटालों की करीब 10 एफआईआर दर्ज होगी। किरोड़ी ने आरोप लगाया- प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट फॉर सोशल मीडिया डेवलपमेंट एक्टिविटी के तहत करोड़ों रुपए की लूट की गई। इस प्रोजेक्ट के तहत अगर मैनेजमेंट यूनिट का कोई व्यक्ति जांच के लिए राजस्थान में किसी भी शहर में गया तो उसे डीओआईटी की ओर से 2 लाख 61 हजार 400 रुपए का भुगतान किया गया। वहीं राजस्थान से बाहर जाने पर 4 लाख 95 हजार 666 रुपए का भुगतान किया गया। उन्होंने कहा- इतना टीए-डीए तो मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को भी नहीं मिलता है।

डीओआईटी के इन अधिकारियों पर लगाए आरोप

किरोड़ीलाल मीणा ने अपनी शिकायत में डीओआईटी के कई अधिकारियों पर आरोप लगाए। इसमें प्रोजेक्ट अधिकारी दीपशिखा सक्सेना, कुलदीप यादव, वित्त अधिकारी कौशल गुप्ता पर अलग-अलग फर्मों को गलत दस्तावेजों पर करोड़ों रुपए के वर्क ऑर्डर जारी करने का आरोप लगाया। इसके अलावा उन्होंने अधिकारी आशुतोष देशपांडे और पूर्व अतिरिक्त निदेशक आरसी शर्मा पर ब्लैक लिस्ट कंपनी को टेंडर देने का आरोप लगाया।

हरियाणा चुनाव, अनिल विज की सीएम पद पर दावेदारी: कहा

मैं सबसे सीनियर, बीजेपी ने दावा नकारा, शाह बता चुके सैनी को मुख्यमंत्री चेहरा

■ संजीवनी टुडे

अंबाला। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री और अंबाला कैंट के भाजपा उम्मीदवार अनिल विज ने मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोका है। उन्होंने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विधायक-मंत्री रहते हुए खुद के कराए काम गिनवाए। विज ने कहा, 'मैं सबसे सीनियर नेता हूं। अपनी सीनियरिटी के दम पर मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश करूंगा। पार्टी बनाती है या नहीं, यह उनका फैसला है।' विज से पहले गुरुग्राम से सांसद और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी सीएम पद के लिए अपना दावा पेश कर चुके हैं। 29 जून 2024 को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पंचकूला में नायब सैनी के चेहरे पर हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कही थी। इसके बावजूद हरियाणा के कई सीनियर लीडर सैनी के नाम पर नाराजगी जता रहे हैं। सारे हरियाणा से लोग आ रहे हैं। मैं जहां-जहां गया, लोग कह रहे हैं कि आप सीनियर हो, सीएम क्यों नहीं बने मैं उन लोगों की मांग पर अपनी सीनियरिटी के दम पर मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश करूंगा। पार्टी बनाती है या नहीं, यह उनका फैसला है। विज ने कहा कि मैंने आज तक कोई पद नहीं मांगा, लेकिन आज दावा पेश कर रहा हूं।

विज के तेवर देख भाजपा ने दूसरा पंजाबी नेता आगे बढ़ाया

अनिल विज के सीएम चेहरे पर दावे से भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी अलर्ट हो गया है। उन्होंने पूर्व सांसद संजय भाटिया को प्रदेश चुनाव समिति का सह संयोजक बना दिया है। मनोहर लाल खट्टर के केंद्र में जाने के बाद अनिल विज भाजपा के हरियाणा में बड़े पंजाबी चेहरे हैं। हालांकि उनके बयान के बाद पार्टी ने तीसरे पंजाबी चेहरे संजय भाटिया को आगे किया है। भाटिया खट्टर के करीबी माने जाते हैं। विज की वजह से पंजाबी वोटर्स नाराज न हों, इस फैसले की यही वजह मानी जा रही है। अनिल विज हरियाणा भाजपा के वरिष्ठतम नेता है। वह अंबाला कैंट से 8 बार विधानसभा चुनाव लड़कर 6 बार विधायक बन चुके हैं। इस बार वह नौवीं बार अंबाला कैंट से चुनाव मैदान में है। साल 2014 की मोदी लहर में जब भाजपा ने पहली बार अपने बूते हरियाणा की 90 में से 47 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था, तब अनिल विज, रामबिलास शर्मा और ओमप्रकाश धनखड़ सीएम बनने की दौड़ में थे। उस दौरान यह चर्चा भी रही कि भाजपा किसी जाट की बजाय पंजाबी चेहरे को मुख्यमंत्री बनाएगी। इससे विज की दावेदारी और प्रबल हो गई, लेकिन उसके बाद भाजपा ने अचानक पंजाबी बिरादरी से ही आने वाले पहली बार के एमएलए मनोहर लाल खट्टर का नाम आगे कर दिया।

निजी अस्पताल में इलाज को आरजीएचएस ने इमरजेंसी नहीं माना

■ संजीवनी टुडे

भुगतान से किया मना, हाईकोर्ट ने सरकार और आरजीएचएस से मांगा जवाब

जयपुर। सेवानिवृत स्कूल लेक्चरर का निजी अस्पताल में आजीएचएस (राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) के तहत इलाज नहीं करने पर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार, पेंशन विभाग और आरजीएचएस के प्रोजेक्ट डायरेक्टर से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हितेश बागड़ी ने बताया कि राम स्वरूप वर्मा रिटायर्ड स्कूल लेक्चरर हैं। वे राज्य सरकार की आरजीएचएस स्कीम में पंजीकृत हैं। जो 5 लाख रुपए तक का कैश लेस इलाज उपलब्ध कराती हैं। लेकिन जयपुर के संतोकबा दुर्लभजी हॉस्पिटल की इमरजेंसी में इलाज के लिए भर्ती होने पर अस्पताल ने उनका कार्ड मान्य नहीं किया। वहीं उन्हें मजबूरन 67,057 रुपए का नगद भुगतान करना पड़ा। अस्पताल से छुट्टी मिलने पर उन्होंने आरजीएचएस के ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन किया, जिसे खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि 4 सितंबर 2022 को उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे बेहोशी के हालत में संतोकबा दुर्लभजी हॉस्पिटल मे भर्ती कराया गया। जहां उसका 8 सितंबर 2022 तक इलाज चला। इलाज में पता चला कि उसकी प्रॉस्टेट ग्लैंड मे अथनार्मल वृद्धि हो गई थी। इसका इमरजेंसी में ऑपरेशन किया गया। इलाज के भुगतान के लिए हॉस्पिटल प्रशासन ने आरजीएचएस कार्ड को अस्वीकार कर दिया। इससे उसे अस्पताल में नगद भुगतान करना पड़ा। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसे आरजीएचएस के ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन किया लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। इसे लेकर याचिकाकर्ता ने एक रिप्रजेंटेशन और लीगल नोटिस विभाग को भेजा। नोटिस के बाद याचिकाकर्ता का मेडिकल क्लेम यह कहते हुए निरस्त कर दिया गया कि उसके द्वारा लिया गया इलाज आपातकालीन सेवा मे नहीं आता है। इसके अलावा यह भी कहा गया कि 4 सितंबर 2022 से 8 सितंबर 2022 के बीच हॉस्पिटल यूरोलॉजी स्पेशलिस्ट के लिए रिकॉग्नाइज नहीं था। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार व अन्य को नोटिस जारी करके दो सप्ताह में जवाब मांगा है।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बोले-राहुल गांधी देश के नंबर एक आतंकी

धनखड़ ने कहा- नेता विपक्ष की मानसिकता संविधान विरोधी, राहुल की अमेरिका यात्रा पर विवाद

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली/मुंबई। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी को आतंकी बताया। उनका ये बयान राहुल की अमेरिका यात्रा के दौरान सिखों पर की गई टिप्पणी के लिए आया। रविवार (15 सितंबर) को बिट्टू ने दिल्ली में कहा- राहुल गांधी देश के नंबर एक आतंकी हैं। वे भारतीय नहीं हैं। राहुल को पकड़ने वाले को इनाम दिया जाना चाहिए क्योंकि वे देश के सबसे बड़े दुश्मन हैं। वहीं, मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी राहुल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की आरक्षण खत्म करने वाली टिप्पणी संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाती है। दरअसल, राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा था कि अभी आरक्षण खत्म करने का सही समय नहीं है। भारत में जातिगत जनगणना होना जरूरी है। भारत में सिख समुदाय के बीच इस बात की चिंता है कि उन्हें पगड़ी, कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी या नहीं। आरक्षण योग्यता के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह देश और संविधान की आत्मा है। यह सकारात्मक कार्रवाई है, नकारात्मक नहीं। यह किसी को अवसर से वंचित नहीं कर रहा है।

बिट्टू बोले- गांधी परिवार की 5 पीढ़ियां भी गरीबों को समझ नहीं पाईं

राहुल ने पहले मुसलमानों का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वे अब सिखों को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। देश के सबसे वांटेड लोगों ने राहुल गांधी से पहले भी इस तरह के बयान दिए थे। यहां तक कि जो आतंकवादी हैं, उन्होंने भी राहुल गांधी की टिप्पणियों की सराहना की है। जब ऐसे लोग राहुल गांधी का समर्थन कर रहे हैं तो वे देश के नंबर एक आतंकवादी हैं। मेरी राय में अगर किसी को या देश के सबसे बड़े दुश्मन को पकड़ने के

लिए कोई इनाम होना चाहिए तो वह राहुल गांधी हैं। वे भारतीय नहीं हैं क्योंकि उन्होंने अपना अधिकांश समय भारत से बाहर बिताया है। उनके दोस्त और परिवार वहीं हैं। इसलिए मुझे लगता है कि कहीं न कहीं उन्हें अपने देश से ज्यादा प्यार नहीं है, क्योंकि वह विदेश जाकर भारत के बारे में ऐसी नकारात्मक बातें कहते हैं। गांधी परिवार के वंशज पांच बार संसद में चुने जाने के बाद भी गरीबों का दर्द नहीं समझ पाए। वे ओबीसी और जातियों के बारे में बात करते हैं। विपक्ष का नेता होने के बाद भी राहुल एक मोची, बढ़ई और मैकेनिक का दर्द नहीं समझ पाए हैं। आप (राहुल) अभी भी घूम रहे हैं और इन लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछ रहे हैं। सिर्फ अपनी फोटो खिंचवाने के लिए आप ऐसी बातें कर रहे हैं। यह एक मजाक है। धनखड़ ने कहा- राहुल की मानसिकता संविधान विरोधी राहुल के अमेरिका में भारत में आरक्षण को लेकर दिए बयान पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राहुल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के बारे में जागरूकता की बहुत आवश्यकता है, क्योंकि कुछ लोग इसकी आत्मा को भूल गए हैं। संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की ऐसी टिप्पणी संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाती है।

मुंबई-दोहा इंडिगो फ्लाइट 6 घंटे देरी के बाद कैंसिल

300 पैसेंजर्स को विमान से उतरने नहीं दिया, इंडिगो बोली- रिफ्रेशमेंट दिया, होटल बुक किए

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। इंडिगो की फ्लाइट 6ई 1303 को सुबह 3:55 बजे टेक ऑफ करना था। पैसेंजर्स के बैठने के बाद विमान करीब 6 घंटे तक एयरपोर्ट पर खड़ा रहा। यात्री करीब 5 घंटे तक प्लेन के भीतर ही बैठे रहे। इमिग्रेशन खत्म होने की वजह से उन्हें उतरने नहीं दिया गया। एक यात्री ने दावा किया, ''जब हम फ्लाइट में इंतजार कर रहे थे, इस दौरान पानी और खाना तक नहीं मिला।'' हालांकि, इंडिगो ने कहा कि पैसेंजर्स को तुरंत रिफ्रेशमेंट दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, पैसेंजर्स का आक्रोश जब बढ़ने के बाद क्रू मेंबर्स ने उन्हें फ्लाइट से उतरने की इजाजत दी। इसके बाद इमिग्रेशन वेटिंग एरिया में ले गए। इंडिगो ने कहा कि तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है। एयरलाइन ने ड्ड पर एक यूजर के पोस्ट पर जवाब दिया और फ्लाइट लेट होने के कारण माफी मांगी। एयरलाइन ने अपने बयान में बताया कि विमान में तकनीकी खराबी आ गई थी। एक-दो बार टेक ऑफ की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसलिए हमने फ्लाइट कैंसिल कर दी है। अगली फ्लाइट के लिए री-बुकिंग की जा रही है। एयरपोर्ट पर हमारी टीम ने यात्रियों को खाने-पीने की चीजें मुहैया कराईं और हर जरूरत मदद की। पैसेंजर्स के लिए होटल बुक कराए जा रहे हैं। क्रू मेंबर के नहीं पहुंचने से मुंबई-भुज फ्लाइट भी लेट मुंबई एयरपोर्ट पर ही रविवार को मुंबई से भुज जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या इक्र601 भी लेट हुई। इस फ्लाइट को मुंबई से सुबह 6:50 बजे भुज के लिए उड़ान भरनी थी। फ्लाइट तो समय पर आ गई, लेकिन जिस क्रू टीम को फ्लाई करना था वो ही समय पर नहीं पहुंची। ऐसे में यात्रियों को कई घंटे से बोर्डिंग के लिए वेट करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट के पैसेंजर्स ने हंगामा किया इससे पहले दिल्ली एयरपोर्ट पर शनिवार (14 सितंबर) को स्पाइसजेट के पैसेंजर्स ने हंगामा किया था।

वकीलों के गलत बयान देने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज: कहा

हमारा भरोसा हिल रहा, रोज 80 केस लिस्ट होते हैं, हर पेज से गुजरना मुश्किल

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों की कार्यशैली को लेकर नाराजगी जताई है। 10 सितंबर के अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि दोषियों को रिहाई में छूट दिलाने के लिए वकील झूठ बोलते हैं। इससे हमारी आस्था डगमगा जाती है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि वकील बार-बार अदालत के सामने और दोषियों की समयपूर्व रिहाई के लिए दायर याचिकाओं में झूठे बयान पेश करते हैं। पिछले तीन हफ्ते में हमें ऐसे कई मामले देखने को मिले, जहां याचिका में झूठे बयान दिए गए। बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में हर रोज हर बेंच के सामने 60 से 80 मामले लिस्ट होते हैं। जज के लिए अदालत में लिस्ट हर एक मामले के हर एक पेज पढ़ना संभव नहीं होता। हालांकि, सभी मामलों को बहुत ही सावधानीपूर्वक देखने का प्रयास किया जाता है। हमारी प्रणाली विश्वास पर काम करती है। जब हम मामलों की सुनवाई करते हैं तो हम बार के सदस्यों पर भरोसा करते हैं। लेकिन जब हम इस तरह के मामलों का सामना करते हैं, तो हमारा विश्वास डगमगा जाता है।

बेंच ने कहा- याचिका में झूठ बोला, अदालत में झूठे बयान दिए गए

बेंच ने कहा- रिहाई में छूट की मांग के लिए दायर याचिका में झूठे बयान दिए गए। अदालत के सामने भी झूठा बयान दिया गया। यह 19 जुलाई 2024 को दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ताओं के तत्कालीन वकील के जेल अधिकारियों को 15 जुलाई 2024 के भेजे ईमेल में झूठे बयान दोहराए थे। बेंच ने कहा कि हमें इसके बारे में जानकारी थी, लेकिन 19 जुलाई 2024 को झूठा बयान दिया गया कि सभी याचिकाकर्ताओं (दोषियों) की फरलो की अवधि

खत्म नहीं हुई है। बेंच ने कहा- एक मामले में रिट याचिका इस आधार पर आगे बढ़ी कि सभी चार याचिकाकर्ताओं ने बिना छूट के 14 साल की वास्तविक कारावास की सजा काटी। दिल्ली सरकार ने अपने हलफनामे में बताया कि चार में से दो कैदियों ने छूट का लाभ उठाने के लिए जरूरी 14 साल की कारावास की सजा पूरी नहीं की। यानी रिट याचिका में झूठा बयान दिया गया कि सभी चार याचिकाकर्ताओं ने वास्तव में 14 साल की सजा काटी। याचिकाकर्ताओं को अलग-अलग मामलों में दोषी ठहराया गया था। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने जजों की छुट्टी और पेंडिंग केस की गति को लेकर कहा- सुप्रीम कोर्ट के जज सातों दिन काम करते हैं।

खबरें फटाफट

केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव व वन राज्य मंत्री संजय शर्मा रामगढ विधायक स्व. जुबेर खान के परिजनों का ढाढ़स बंधाया

संजीवनी टुडे

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव एवं वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को रामगढ विधायक स्व. जुबेर खान के अलवर स्थित निवास पर जाकर शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देकर उनका का ढाढ़स बंधाया। उल्लेखनीय है कि रामगढ विधायक जुबेर खान ने लम्बी बीमारी के पश्चात शनिवार 14 सितंबर को प्रातः देहांत हो गया था। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिलर,महापौर घनश्याम गुर्जर, रामगढ़ प्रधान नसरू खान, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, संजय नरुका,पं. जलेसिंह, मोहित यादव, संदीप दायमा, सुखवंत सिंह, इंद्र यादव सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति मौजूद रहें।

बच्चो को पुरस्कार वितरण किया

संजीवनी टुडे

बाड़मेर। वर्धमान संस्कार पाठशाला के तत्वाधान में बच्चो को पुरस्कार वितरण किया गया। पाठशाला संयोजक पवन संखलेचा नमन ने बताया बाड़मेर रत्न मुनि सुमतिचंद्र सागर की प्रेरणा से संचालित इस पाठशाला में बच्चे धार्मिक शिक्षा का अध्यन कर अपना आध्यात्मिक एवं बौद्धिक विकास कर रहे है।बच्चे संस्कृत और प्राकृत की गाथाएं सीखकर आगे बढ़ रहे है।पाठशाला शिक्षिका निकिता सिंघवी एवं योगिता जैन द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता एवं शतावधान के प्रयोग कर बच्चो को हर क्षेत्र में मजबूत किया जा रहा है।समाजसेवी वीरचंद भंसाली के आतिथ्य में आज पुरस्कार वितरण किया गया।भी 13 अक्टूबर 2024 को दो दिवसीय तीर्थयात्रा भ्रमण एवं पाली चातुर्मास विराजमान तपस्वी मुनि भगवंत के दर्शनार्थ जाने की भी घोषणा की गई।

कर्मचारी महासंघ के राजेंद्र राना पुनः निर्विरोध अध्यक्ष बने

संजीवनी टुडे

जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के चुनाव रविवार को जयपुर के मनोचिकित्सालय में स्थित ऑडिटोरियम में संपन्न हुए। जिसमें राज्य के विभिन्न 41 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी ने निर्वाचन में भाग लिया जिसमें महासंघ प्रमुख महेंद्र सिंह ने सदन से सर्वसम्मति से अध्यक्ष का चुनाव निर्वाचन करने का आह्वान किया जिस पर राजस्थान प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विपिन प्रकाश शर्मा ने राजेंद्र राना का पुनः अध्यक्ष पद के निर्वाचन हेतु नाम प्रस्तावित किया। जिसे लैबोरेट्री संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, डिप्लोमा कोंसिल डीपी चौधरी एवं संविदा कार्मिकों के अध्यक्ष राजेश कटारे ने अनुमोदन किया और सदन ने सर्वसम्मति से राजेंद्र राणा को अगले दो वर्ष के लिए पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया। इसके बाद महासंघ महा समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि ओपीएस,वेतन में विसंगति, संविदा निविदा नियमितीकरण जैसे अनेक मुद्दों पर सरकार के समक्ष रखा जाए तथा सरकार को समयबद्ध अल्टीमेट दिया जाए।

मिस्टर ग्लैम ऑफ़ बॉलीवुड बने प्रस्तुत,मिस बनी श्वेता और मिसेज बनी बरखा

संजीवनी टुडे

जयपुर। स्वामित्र भावना कौशल शिक्षा फाऊंडेशन की ओर से ब्यूटी प्रजेंट का आयोजन किया गया।आयोजन के मुख्य अतिथि पूर्व जज महेंद्र सिंह राघव रहे इस प्रोग्राम में सेलिब्रिटी गेस्ट अनुपम सोनी और कल्चरल प्रेमी सुधीर माथुर भी मौजूद रहे ।इस मौके मिस्टर, मिस और मिसेस ग्लैम ऑफ़ बॉलीवुड का चयन भी किया गया जिसमें तीन राउंड हुए मिस्टर बॉलीवुड ग्लैम के रूप में प्रस्तुत को चुना गया,मिस श्वेता किराड को और मिसेस के लिए बरखा को जूरी मेंबर्स ने चयन किया आयोजक डा .भावना शर्मा ने बताया कार्यक्रम बड़ा सफल रहा पिछले 6 महीना से इस कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी करीब 300 से ज्यादा पार्टिसिपेट ने अपना ऑडिशन दिया जिसमें से 20 पार्टिसिपेंट्स को चुना गया सभी पार्टिसिपेट ने शानदार अंदाज में तीनों राउंड क्लियर किया उन्होंने कहा इस मौके पर फिल्म डायरेक्टर सुनीत कुमावत और डायरेक्टर सुरेश मुद्गल ने अपकमिंग फिल्म में काम देने का वादा किया । साथ ही अशोक बापना हिंदुस्तानी ने तिरंगा चालीसा की शानदार प्रस्तुति दी उन्होंने कहा जूरी मेंबर्स में महावीर कुमार सोनी,रितु शर्मा और सुनीत कुमार ने अपनी परखी नजर से विनर को चुना।

जिले के युवा सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्किल डवलपमेंट स्किम्स का लाभ उठाए: केंद्रीय मंत्री यादव

संजीवनी टुडे

केंद्रीय मंत्री ने ई लाइब्रेरी सहित विकास कार्यों का किया लोकार्पण

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने आज ग्राम अहीरबास भडकोल के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सहगल फाउंडेशन द्वारा 55 लाख रूपये की लागत राशि से कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का फीता काटकर लोकार्पण किया। केंद्रीय वन मंत्री यादव सहगल फाउंडेशन द्वारा ई-लाइब्रेरी, सुलभ शौचालय एवं विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार के कराए गए विकास कार्यों का लोकार्पण कर आमजन को संबोधिक कर रहे थे। उन्होंने सहगल फाउंडेशन का आभार जताते हुए कहा कि राजकीय विद्यालय के उन्नयन एवं विकास में कराए गए कार्य सरानीय है जिससे विद्यालय की सुविधाओं में बढोतरी होने के साथ बच्चों को अध्ययन करने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अध्ययन के साथ-साथ स्कील डवलेपमेंट की कक्षाएं भी चलाई जाए जिससे तकनीकी शिक्षा के प्रति बच्चों में रूचि जाग्रत हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य है तथा कडी मेहनत व दृढ इच्छा शक्ति के बल पर कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है अतः मन लगाकर अध्ययन कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें तथा अपने माता-पिता के सपनों को साकार कर देश के विकास में अपनी भागीदारी निभाए। उन्होंने विद्यालय में निर्मित ई-लाइब्रेरी 50 हजार पुस्तकें उपलब्ध कराए जाने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के विकास में सहयोग करने पर सहगल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, पूर्व विधायक जयराम जाटव, उपखण्ड अधिकारी मालाखेड़ा देवी सिंह, प्रधानाचार्य मुकेश कुमार गर्ग, बन्नाराम, मोहित यादव, संजय नरूका, जितेन्द्र शर्मा,

रिंकी वर्मा, नवनीत नरवाल, पवन कस्वा, अंकित ओझा, महादेव शर्मा, जितेन्द्र शर्मा सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री यादव ने अहीरबास भडकोल में श्री कृष्ण यादव सेवा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यादव समाज की राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित बालिका का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर व शॉल ओढाकर सम्मान किया तथा कक्षा 10वीं व 12वीं के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह, पुरस्कार राशि व बैग प्रदान कर सम्मानित किया इस अवसर पर जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, पूर्व सांसद डॉ. कर्णसिंह यादव, पूर्व विधायक जयराम जाटव, उपखण्ड अधिकारी मालाखेडा देवी सिंह, बन्नाराम, मोहित यादव, संजय नरूका, सुदेश मेहता, शकुन्तला यादव, जितेन्द्र शर्मा, रिंकी वर्मा, लोकेश यादव, सीताराम यादव, भागचन्द यादव, भगवान यादव, रामसिंह यादव, रामकरण यादव, जसराम यादव सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव एवं वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अलवर रिसोर्ट में अखिल राजस्थान जाटव महासभा समिति जयपुर (शाखा अलवर) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कार्मिकों एवं प्रतिभावान बच्चों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा उन्नति व विकास की कुंजी है जिस समाज ने इसे अपनाया है वह निश्चित रूप से आगे बढा है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने शिक्षा को बढावा देने में सार्थक भूमिका निभाई है तथा वंचित व जरूरतमद लोगों को उनके अधिकार दिलाने में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने सभी समाजों से आह्वान किया कि बालिका शिक्षा को अधिक से अधिक बढावा देकर बेटी को अपने सपने साकार करने में सहयोग करें। उन्होंने युवाओं से कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा स्किल डवलेपमेंट हेतु संचालित योजनाओं का लाभ उठावे। इस अवसर पर भरतपुर सांसद संजना जाटव, जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, पूर्व विधायक जयराम जाटव, बन्नाराम मीना, इन्द्रजीत सिंह पाटा, संजय नरूका, रिंकी वर्मा, बी.पी सुमन, संदीप दायमा, खान सिंह जाटव, कुन्दन लाल जाटव, बाबूलाल राजोरिया सहित प्रबुद्ध व्यक्ति उपस्थित रहे। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने जगन्नाथ मंदिर से संत श्री दुर्लबनाथ जी महाराज की जयन्ती पर निकाली गई शोभायात्रा को केसरिया ध्वज लहराकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि संत श्री दुर्लबनाथ जी महाराज ने शांति, सद्भाव व भाईचारे का संदेश दिया है जिसका अनुसरण कर सामाजिक एकता बढाया जा सकता है।

सिंधी समाज के अबुज सावे बन बदडी पर हुआ सामूहिक विवाह,12 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

संजीवनी टुडे

जयपुर।सिंधी समाज के अबुज सावे बन बदडी(वामन जयंती) पर रविवार को भगवान झूलेलाल सेवा समिति के तत्वाधान में बारह जोड़ो का सामूहिक विवाह लायंस पैराडाइस में संपन्न हुआ इस अवसर पर नवविवाहितों ने गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया।

महासचिव लालचंद खानवानी व वरिष्ठ समाजसेवी नारायण दास नाज़वानी ने झूलेलाल मंदिर से बरात को रवाना किया,सभी 12 दूल्हे घोड़ियों पर सवार होकर बारातियों के साथ दुल्हन ब्याहने निकले, मुख्य संयोजिका शोभा बसंतानी के साथ समस्त मातृशक्ति, आयोजन समिति के कार्यकर्ताओं व बारातियों द्वारा होजमालों व सिंधी संगीत की मधुर लहरियों पर जमकर नाचे बरात का स्वागत विवाह स्थल पर किया गया। समन्वयक किशोर दादलानी व संयोजक मनीष संगतानी व श्याम कमलानी ने बताया की पंडित धीरज शर्मा व अन्य 11 विद्वान पंडितों द्वारा सनातन पद्धति व सिंधी रीति रिवाज़ से फ़ेरे करवाएं। प्रवक्ता मूलचंद बसंतानी ने बताया कि मंच पर केवल समाज की मातृशक्ति विराजमान थी। मुख्य अतिथि आई.ए.एस. पुष्पा सत्यानी थी। अध्यक्षता शोभा बसंतानी ने की, अति विशिष्ट अतिथि द्रोपदी नाज़वानी थी। मीडिया प्रभारी पियूष बच्चानी ने बताया कि समाज के भामाशाहों के सहयोग से इस बार 111 उपहार प्राप्त हुवे हैं। बंगलोर के अमर चैरिटेबल ट्रस्ट व वेस्ट अफ्रीका से अशोक वासवानी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

सिंगर डॉ.समीर शर्मा सैम समेत कई कलाकारों ने पेश किए बॉलीवुड के सुरीले नगमे

बिड़ला सभागार में संजोया गोल्डन एरा शो का 11वां संस्करण

संजीवनी टुडे

जयपुर। बड़ला ऑडिटोरियम में रविवार को बॉलीवुड के बेहतरीन नक्तामें सुनाकर शहर के नामी कलाकारों ने गोल्डन एरा शो के ग्यारवें संस्करण में समा बांध दिया । कार्यक्रम का आरंभ शाम्भवी वर्मा के गणेश वंदना पे नृत्य से हुआ। इसके बाद रुचि खंडेलवाल ने दोस्तों से प्यार किया गीत की प्रस्तुति दी जिसमें प्रदेश के अलग अलग शहरों एवं दिल्ली से आए साजिन्दों ने जयपुर के साजिन्दों के साथ मिलकर दमदार वादन किया। इसके बाद नवोदित कलाकार निकिता बंसल ने ओ मेरे सोना रे गीत सुना कर श्रोताओं की तालियां बंटोरी। शो के संयोजक एवं मुख्य कलाकार डॉ. समीर शर्मा सैम ने श्रोताओं के बीच से अपनी शाम के गायन की शुरुआत अपनी तो जैसे तैसे, हवा हवा एवं जाट यमला पागल दीवाना का मेडले प्रस्तुत करके सभी को नाचने पे मजबूर कर दिया। इसके अतिरिक्त डॉ.समीर शर्मा ने तुम अगर मुझको न चाहो, शम्मी कपूर मेडले युगल गीत में गीतिका चतुर्वेदी के साथ शोखियों में घोला जाए आदि गीतों की प्रस्तुति दी। सुरीले सिंगर

केपी सक्सेना ने रुख से ज़रा नक्ताब, मेरे पैरों में घुंघरू बंधा दे, डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कर ने मैं होश में था , कुमार सानू के 90केदशक के गीतों की प्रस्तुति दी। गीतिका चतुर्वेदी ने मिलो ना तुम तो हम घबराएं , ऋचा खोड़ा ने मन सात समंदर डोल गया गीत सुनाया। कार्यक्रम में शो के मेंटर उस्ताद अहमद हुसैन एवं मोहम्मद हुसैन मौजूद रहे। आयोजक डॉक्टर बलविंदर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के ग्यारवें संस्करण में शहर की जनता के साथ साथ कई गणमान्य अतिथियों ने भी लुत्फ उठाया। मंच संचालन कबीर एवं संगीत संचालन संजय माथुर ने किया।

बीएसए मोटरसाइकिल्स ने उदयपुर के प्रिंस लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को सौपी राजस्थान की पहली गोल्ड स्टार 650 बाइक

संजीवनी टुडे

अजमेर। प्रतिष्ठित ब्रिटिश ब्रांड बीएसए मोटरसाइकिल ने राजस्थान में पहली बीएसए गोल्ड स्टार 650 उदयपुर के प्रिंस लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को सौंपी। क्रिस्टल और एंटीक कारों सहित विरासत कलाकृतियों के एक बड़े संग्रहकर्ता, राजकुमार लक्ष्यराज ने अब अपने उल्लेखनीय संग्रह में प्रसिद्ध गोल्ड स्टार 650 को भी शामिल कर लिया है।

उदयपुर में उनके निवास पर एक निजी समारोह में मोटरसाइकिल को सौंपा गया, जिसमें शहर के प्रसिद्ध महल में अन्य कीमती वाहनों के साथ मोटरसाइकिल को रखा गया, जो जनता के लिए खुला है। भारत में 15 अगस्त, 2024 को लॉन्च हुई बीएसए गोल्ड स्टार 650 क्लासिक ब्रिटिश डिज़ाइन और आधुनिक तकनीक का बेहतरीन मिश्रण है। 1903 से चली आ रही विरासत के साथ, बीएसए मार्क मोटरसाइकिलिंग उत्कृष्टता का प्रतीक

रहा है और ब्रिटिश इंजीनियरिंग इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है - अब उदयपुर के प्रतिष्ठित ऑटोमोटिव कलेक्शन में इसका गर्व से स्वागत किया गया है। अपने कलेक्शन में इस नवीनतम सदस्य के शामिल होने पर प्रिंस लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा, ''बीएसए गोल्ड स्टार 650 परंपरा और नवीनता का एक उत्कृष्ट मिश्रण है।

मैंने हमेशा समृद्ध इतिहास वाले वाहनों की प्रशंसा की है, और गोल्ड स्टार दोनों दुनियाओं के सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करता है - विरासत और आधुनिक शिल्प कौशल। इस प्रतिष्ठित मोटरसाइकिल को अपने संग्रह में शामिल करना सम्मान की बात है, जहाँ यह उन अन्य वाहनों के साथ खड़ी होगी जिन्होंने ऑटोमोटिव इतिहास को आकार दिया है। बीएसए कंपनी के निदेशक आशीष सिंह जोशी ने कहा, ''बीएसए गोल्ड स्टार 650 उन लोगों के दिलों में एक खास जगह रखता है जो इतिहास और शिल्प कौशल की सराहना करते हैं, ठीक उसी तरह जैसे प्रिंस लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा बनाए गए प्रतिष्ठित संग्रह में है। उन्हें यह कालातीत मोटरसाइकिल भेंट करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है, जिससे हमें उम्मीद है कि एक कलेक्टर और एक सवार दोनों के रूप में उन्हें बहुत खुशी मिलेगी।

अगले साल और वृहद व बेहतर आयोजन के वादे के साथ चौथे आरडीटीएम का समापन

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान में सुगम, सहज और सुविधाजनक पर्यटन की अपार संभावनाओं को उजागर करने वाले चौथे राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (आरडीटीएम) का रविवार को समापन हुआ। डोमेस्टिक और विजेल टुरिज्म को बढ़ावा देने वाले इस मार्ट का आयोजन फ़ेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) और राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें केंद्रीय पर्यटन विभाग ने भी सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई। इस वर्ष आरडीटीएम में वेडिंग, इन्सेंटिव, कॉन्फ्रेंस और इवेंट्स (माइस) की थीम साकार हुई। मार्ट में 200 से अधिक स्टॉल्स और 600+ होटलों ने अपनी सर्विस को प्रजेंट किया। बी2बी और बी2सी बैठकों में बढ़ी भागीदारी ने राजस्थान के प्रति पर्यटकों व इवेंट आयोजकों के प्रेम को जाहिर किया। राजस्थान के हैंडलूम प्रोडक्ट्स, सांस्कृतिक प्रस्तुति ने आगंतुकों को राजस्थान के रंग में रंगा। वहीं टॉक सेशंस में राजस्थान की गौरवमयी संस्कृति से सभी का साक्षात्कार हुआ। मार्ट में गत दिनों शामिल हुई राजस्थान की डिप्टी सीएम, दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और आरडीटीएम जैसे आयोजन इसे बढ़ावा देने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मार्ट ने हमें राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता और विविधता को देश-विदेश के खरीदारों के समक्ष प्रस्तुत करने का मौका दिया है। हम लगातार पर्यटन के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सुधार कर रहे हैं, जिससे पर्यटकों को राजस्थान में यादगार अनुभव मिल सके। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पर्यटन के विकास पर आगामी कार्य किए जाने की योजना पर तैयारी की जा रही है। एफएचटीआर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला ने कहा कि आरडीटीएम में टूरिज्म सेक्टर से जुड़े सभी स्टेक होल्डर्स एक मंच पर आए। ग्रामीण पर्यटन और नई डेस्टिनेशनों को बढ़ावा देने के साथ, कार्यक्रम ने माइस और वेडिंग टूरिज्म की अपार संभावनाओं पर जोर दिया गया। विभिन्न पर्यटन हितधारकों ने राजस्थान के पर्यटन को बढ़ाने के लिए न केवल नई योजनाओं पर चर्चा की।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का संयुक्त अरब अमीरात, कतर में अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर्स रोड शो 17-19 सितंबर के बीच आयोजित

उद्योग मंत्री राठौड़ कर रहे हैं इन अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर्स रोड शो में भाग लेने वाले राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

संजीवनी टुडे

जयपुर। आगामी 9 से 11 दिसंबर को आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की तैयारियों के मद्देनजर उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से मिलने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर का दौरा 17 से 19 सितंबर के बीच करेगा। माननीय माननीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के कई गणमान्य व्यक्तियों और व्यापार जगत के अधिकारियों से मुलाकात करेगा और उन्हें राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित करेगा। इसके अलावा, यह प्रतिनिधिमंडल खाड़ी देशों के निवेशकों को इस साल दिसंबर में जयपुर में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित करेगा। अपने इस दौरे में, यह प्रतिनिधिमंडल दुबई (यूएई) और दोहा (कतर) में दो अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर्स रोडशो में भाग लेगा। इस दौरान, कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाला यह प्रतिनिधिमंडल संयुक्त अरब अमीरात और कतर सरकार के गणमान्य व्यक्तियों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के कई कंपनियों, इन्वेस्टमेंट फंड और इंडस्ट्री चैम्बर्स के अधिकारियों से मिलेगा। इनमें अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (इक्वाग्ए), लुलु इंटरनेशनल, डीपी वर्ल्ड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (इक्क्रह), अबू धाबी इन्वेस्टमेंट काउंसिल, मुबाडला इन्वेस्टमेंट, अबू धाबी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, कतर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जैसी कई कंपनियां और संस्थाएं शामिल हैं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के अलावा संयुक्त अरब अमीरात और कतर की यात्रा पर जाने वाले राजस्थान सरकार के इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. जोगा राम, माननीय मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ सिहाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन के एडिशनल कमिश्नर सौरभ स्वामी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इससे पहले माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के एक अन्य उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया और जापान में इन्वेस्टर्स रोडशो की एक श्रृंखला में भाग लिया था। इस दौरान, इन दोनों पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के कई निवेशकों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कई जापानी और कोरियाई कंपनियों ने राजस्थान में अपनी कंपनियों की नयी ईकाई खोलने या प्रदेश में मौजूद अपनी ईकाईयों के विस्तार करने की इच्छा जतायी थी। ये इन्वेस्टर्स रोडशो 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के अंतरराष्ट्रीय आउटरीच कार्यक्रम का हिस्सा हैं, जिसके तहत निवेशकों और व्यापारिक समूहों को प्रदेश में व्यापार हेतु आमंत्रित किया जा रहा है और इसके लिए राजस्थान सरकार का विभिन्न प्रतिनिधिमंडल कई प्रमुख घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक केंद्रों का दौरा कर रहा है या आने वाले समय में दौरा करेगा। राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है। इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और अन्य सुविधाएँ मुहैय्या कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल्स), इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो-केमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस सहित विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष सत्र का आयोजन होगा। संयुक्त अरब अमीरात और कतर में होने वाले इन दोनों अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर्स रोडशो का आयोजन फ़ेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से किया जा रहा है, जो 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का समिट पार्टनर है। इसके अलावा पीडब्ल्यूसी (घ्बए) इंडिया इस इन्वेस्टमेंट समिट का नॉलेज पार्टनर है।

प्रदेश के दो सुप्रसिद्ध साहित्यकार चूरू में सम्मानित

संजीवनी टुडे

जयपुर। देश की आज़ादी के दौरान स्थापित संस्था हिंदी साहित्य संसद, चूरू की ओर से हिन्दी दिवस के अवसर पर लोक संस्कृति शोध संस्थान नगर श्री, चूरू के सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदेश के दो लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकारों को उनकी अनवरत साहित्य साधना के लिए सम्मानित किया गया। हिंदी साहित्य संसद के अध्यक्ष बनवारी शर्मा खामोश ने बताया कि वर्ष 2024 का 'जनकवि प्रदीप शर्मा साहित्य सम्मान एवं पुरस्कार' उदयपुर की साहित्यकार श्रीमती आशा पाण्डेय औझा 'आशा' और रामादेवी भागीरथ प्रसाद मरदा स्मृति कोश सम्मान एवं पुरस्कार' जयपुर निवासी साहित्यकार लोकेश कुमार सिंह 'साहिल' को प्रदान कर सम्मानित किया गया। दोनों सम्मानित साहित्यकारों को अतिथियों ने प्रत्येक को ग्यारह हजार नकद राशि, श्रीफल, पदक, सम्मान-पत्र, स्मृति-चिन्ह तथा शाल अर्पित कर अलंकृत किया गया। जयपुर के डा. भवानी शंकर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित साहित्यकार सम्मान समारोह के अवसर पर एक काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में लोकेश कुमार सिंह 'साहिल' मुख्य अतिथि और आशा पांडेय ओझा 'आशा' विशिष्ट अतिथि रही। इन तीन विभूतियों के अतिरिक्त हिंदी साहित्य संसद के अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा 'ख़ामोश' ने मंच साझा किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंचस्थ जन द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा, चूरू के जनकवि स्व. प्रदीप शर्मा, स्व. भागीरथ प्रसाद मरदा एवं रामादेवी मरदा के चित्रों के समक्ष पुष्प अर्पित कर और अगरबत्ती जलाकर किया गया । दो छोटी बच्चियों तर्जनी सोनी और युक्ति सोनी द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने के बाद समारोह विधिवत शुरू हुआ।

खबरें फटाफट

नाडोल में राजस्थान जल महोत्सव कार्यक्रम चुंदड़ी ओढ़ाकर हुआ आयोजित

संजीवनी टुडे

देसूरी, पाली। देसूरी उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत नाडोल में आज राजस्थान सरकार के आदेशानुसार राजस्थान जल महोत्सव कार्यक्रम गवाई तालाब (मलोप तालाब) गोगाजी मंदिर के पास आयोजित किया गया । इस अवसर पर प्रधान श्रीमती संगीता अमरसिंह राजपुरोहित, सरपंच महोदया श्रीमती फूलकंवर गुलाब सिंह राजपुरोहित, उपसरपंच भवानी सिंह राजपुरोहित, ग्राम विकास अधिकारी श्रीमान ढलाराम चौहान, वार्डपंच हीराराम सीरवी, धनकी देवी,तीजो देवी, सहनाज बानू,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं सहित भारी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

68वी जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

संजीवनी टुडे

बाली, पाली। पूर्व ऊर्जा राज्यमंत्री व बाली विधायक पुष्पेंद्रसिंह राणावत ने कहां की विद्यार्थी जीवन में खेल का भी उतना ही महत्व है जितना शिक्षा का इसलिए विद्यार्थी को इसे अवसर को खोना नही चाहिए। राणावत आज लुणावा में 68वी जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता (14 वर्षीय छात्र/छात्रा) 2024-25 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाली क्षेत्र के विकास में धन की कमी नही आने दी जाएगी। इस क्षेत्र के प्रत्येक दिनहीन की सेवा में सदेव तत्पर रहूंगा।उद्घाटन समारोह के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह सान्दु एसीबी ईओ बाली व हीरालाल परमार पी ई ई ओ बाली विशेषअतिथि मोहनी देवी सरपंच ग्रा.पं. लुणावा व बलवीरसिंह राणावत व्याख्याता, छेलसिंह चौहान सरपंच ग्रा.पं. मिरगेश्वर, खीमाराम घांची जयनारायण वैष्णव शिक्षाविद लुणावा इत्यादि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव 17 सितंबर को

संजीवनी टुडे

सलूंबर। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम 17 सितम्बर को पंचायत समिति सलूंबर पर आयोजित होगा। उत्सव के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा सरकारी कार्मिकों को संबोधित करेंगे। सभी जिले वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इससे जुड़ेंगे। रोजगार उत्सव के लिए नोडल विभाग चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को बनाया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेपी बुनकर ने बताया कि समारोह में जिले के नवनियुक्त कार्मिकों की भागीदारी रहेगी। सभी अभ्यर्थियों को समय पर आना होगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभ्यर्थियों का पंजीकरण किया जाएगा। पंजीकरण के पश्चात इन्हें वेलकम किट दी जाएगी। इसमें मुख्यमंत्री का संदेश, लोकसेवक के कर्त्तव्य, दायित्व एवं अपेक्षाएं पुस्तिका आदि होंगी। उन्होंने बताया कि आमंत्रित युवाओं में से कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री द्वारा समारोह के दौरान दिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री युवाओं से संवाद भी करेंगे। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागो को उत्तरदायित्व निर्धारित कीए है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश अनुसार सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद रहें।

हाथीपोल धर्मशाल से भगवान का निकला भव्य वरघोड़ा

गणगौर घाट पर आयोजित हुआ स्नात्र पूजा महामहोत्सव

संजीवनी टुडे

उदयपुर। श्री जैन श्वेताम्बर महासभा की ओर से पर्युषण महापर्व के सामपन पर भगवान का वरघोड़ा एवं गणगौर घाट पर स्नात्र पूजन महोत्सव का आयोजन किया गया। महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि रविवार को श्री जैन श्वेताम्बर महासभा की ओर से हाथीपोल धर्मशाला से भगवान को रजत पालकी में विराजित कर वरघोड़ा निकाला गया।

नाहर ने बताया कि वरघोडे की भव्य शोभायात्रा हाथीपोल धर्मशाल से निकाली जो मालदास स्ट्रीट, बड़ा बाजार, घण्टाघर, जगदीश चौक होते हुए गणगौर घाट पहुंची। शोभायात्रा में सबसे आगे गजराज थे उसके पीछे पांच घोड़ों पर जैन ध्वज हाथ में लिए श्रावक चल रहे थे। उसके पीछे दो बैण्ड अपनी स्वर लहेरियां बिखेरते हुए चल रहा था। उसके बाद दो सुसर्जज्ति बग्गियां चल

रही थी, उनके बाद जैन निति नवयुवक मण्डल का बैण्ड जयघोष का उद्बोधन करते हुए चल रहे थे। उनके पीछे 2 ऊंट गाड़ी जिसमें जैन समाज की विभिन्न झांकियां सजी हुई थी। उसके बाद दो रजत पालगी में भगवान को विराजित कर श्रावक चल रहे थे। माता त्रिशला को आए 14 स्वप्न एवं उदयपुर में बिराजित सभी साधु-साध्वी चतुरविद संघ के साथ इस वरघोड़े में शामिल हुए। शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रावक-श्राविकाओं द्वारा गऊली बनाकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। मार्ग में हजारों की संख्या में मौजूद श्रावक-श्राविकाएं भगवान के जयकारें लगाते हुए चल रहे थे। जैसे ही शोभायात्रा गणगौर घाट पहुंची वहां राष्ट्रसंत ललित प्रभ सागर, मुनि भगवंत निरागरत्न, साध्वी प्रन्यांस प्रवर समर्पित रत्न विजय महाराज आदि ठाणा, साध्वी कीर्ति रेखा श्रीजी आदि ठाणा सहित साधु-साध्वी भगवंत का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। उसके बाद सभी ने स्नात्र पूजा की। स्नात्र पूजा के बाद वरघोड़ा विभिन्न मार्गों से होते हुए मालदास स्ट्रीट स्थित आराधना भवन पहुंचा जहां 3 हजार से अधिक समाजजनों का भव्य स्वामीवात्सलय का आयोजन हुआ। इस अवसर महासभा कार्याध्यक्ष भोपाल सिंह परमार, महामंत्री कुलदीप नाहर, राजेन्द्र जवेरिया, राजेश जावरिया, अंकुर मुर्डिया, चतर सिंह पामेचा, सतीस कच्छरा, राजू पंजाबी, अशोक जैन, बिट्टू खाब्या, पिंटू चौधरी, डॉ. शैलेन्द्र हिरण, प्रकाश नागौरी आदि मौजूद रहे।

जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक ने किया रूट मार्च

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए डूंगरपुर जिला प्रशासन अलर्ट है। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन ने रविवार को लगभग दो घंटे तक शहर में गणपति प्रतिमाओं की विसर्जन यात्राओं और धार्मिक जुलूस के मार्गों का निरीक्षण किया। शहर के पुराना हॉस्पीटल, कंसारा चौक, सोनिया चौक, घुमटा बाजार, माणक चौक, फौज का बड़ला, घांटी से होते हुए पुरानी, सब्जी मण्डी, मोचीबाजार, फरासवाड़ा होते हुए पुनः पुराना हॉस्पीटल पहुंचे। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेशचंद्र धाकड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, पुलिस उपाधीक्षक राजकुमार राजोरा, नगर परिषद आयुक्त लोकेश पाटीदार, कोतवाली थानाधिकारी भगवानलाल भी साथ रहे। रूट मार्च के दौरान जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक ने मार्ग में बिजली और केबल के तारों को सुरक्षित ऊंचाई पर करने, अतिक्रमण हटाने और साफ-सफाई के निर्देश दिए। विसर्जन यात्रा और जुलूस के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस के जवान तैनात किए जाएंगे। ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने, धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने और कानून व्यवस्था में बाधा डालने पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक ने दो नदी पुल पर प्रतिमाओं के विसर्जन स्थल का भी निरीक्षण किया। विसर्जन स्थल पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस और सिविल डिफेंस के जवान, तैनात रखने, बेरिकेडिंग और चेतावनी लिखे संदेश के बैनर लगाने के साथ ही पर्याप्त मात्रा में लाइफ सेविंग जैकेट, रोशनी और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। दो नदी पुल पर क्राउड मैनेजमेंट चाक-चौबंद रखने और घाट पर जमी काई और झांड़ियां हटाने और मार्ग में साफ-सफाई के निर्देश दिए।

पंजाब के राज्यपाल कटारिया ने जैन ध्वज दिखाकर बसों को किया रवाना

उदयपुर सहित पुरे मेवाड़ से आचार्य महाश्रमण के दर्शनार्थ 1200 यात्री सूरत रवाना

संजीवनी टुडे

आचार्य महाश्रमण से मेवाड़ पधारने की सामूहिक अर्ज करेंगे

उदयपुर। श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कॉन्फ्रेंस के तत्वावधान में रविवार 15 सितम्बर को सम्पूर्ण मेवाड़ से 1200 यात्री 33 स्लीपर कोच बसों के माध्मय से वस्त्र नगरी सूरत में आचार्य महाश्रमण के दर्शन के लिए रवाना हुए। महाप्रज्ञ विहार में बिराजित शासनश्री मुनि सुरेश कुमार हरनावा, मुनि संबोध कुमार मेधांश, मुनि सिद्धप्रज्ञ के सान्निध्य में यात्रा को पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत, उपाध्यक्ष प्रदीप सोनी, मंत्री दीपक सिंघवी, संगठन महामंत्री अरूण मेहता, उदयपुर जिला संयोजक विनोद माण्डोत, वरिष्ठ श्रावक शांतिलाल सिंघवी, राजीव सुराणा, अशोक चोरडिया, उदयपुर संयोजक जय चौधरी, मयंक कोठारी प्रणव कोठारी, मोतीलाल पोरवाल, ओमप्रकाश खोखावत, महेश जैन, जय पोरवाल आदि ने जैन ध्वज दिखाकर बसों को रवाना किया। जैसे ही सभी बसे महाप्रज्ञ विहार से रवाना हुई तो यात्रियों एवं यात्रियों को रवाना करने के लिए आए उनके परिजनों ने महाप्रज्ञ विहार में जय-जय ज्योति चरण, जय-जय महाश्रमण के जयकारों से पुरा

वातावरण गुंजाय मान कर दिया। इस दौरान पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने सभी श्रावक-श्राविकाओं को यात्रा सफलता हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। कॉन्फ्रेस अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने बताया कि मेवाड़ के कोने-कोने से पर्युषण पर्व की समाप्ति पर क्षमायाचना करने सामूहिक रूप से आचार्य महाश्रमण के श्रीचरणों में पहुंचेंगे। मुख्य रूप से बसें भीलवाड़ा, पुर, गंगापुर, दौलतगढ़, लाछूड़ा, आसींद, भीम, देवगढ़, बरार, पड़ासली, केलवा, राजनगर, आमेट, कांकरोली, नाथद्वारा, उदयपुर, गोगुन्दा, चित्तौडगढ़ आदि क्षेत्रों से सुरत पहुंचेगी। जहां मुख्य रूप से 2025 अहमदाबाद चातुर्मास के बाद आचार्य महाश्रमण से एक माह मेवाड़ में बिराजने की अभ्यर्थना की जाएगी। साथ ही 2031 का चातुर्मास मेवाड़ में करने का पूरजोर निवेदन किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस के महामंत्री बलवंत रांका ने बताया कि गुरु दर्शन यात्रा में सहाड़ा विधायक लादूलाल पितलिया, राजसमंद विधायक दीप्ती किरण माहेश्वरी भी शामिल होंगी। यात्रा का मुख्य संयोजकीय दायित्व महेन्द्र कोठारी (विकास) व भूपेन्द्र चोरडिया को दिया गया है। जिन्होनें उदयपुर जिला का संयोजक विनोद माण्डोत, भीलवाड़ा जिला के संयोजक सुनील दक तथा राजसमंद जिला संयोजक कमलेश कच्छारा को मनोनित किया।

जैन पाठशाला के बालक/बालिकाओ द्वारा धार्मिक नाटक मंचन

संजीवनी टुडे

16 सितम्बर को चित्र भजन प्रतियोगिता का आयोजन होगा

उदयपुर। सकल दिगंबर जैन समाज हिरण मगरी सेक्टर 14 महावीर भवन में श्री महावीर दिगंबर जैन दशा नागदा चेरिटेबल ट्रस्ट एवं श्री महावीर युवा परिषद द्वारा आयोजित पर्युषण पर्व के अष्टम दिन उत्तम त्याग धर्म दिवस भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ प्रारंभ हुआ । शांतिधारा का लाभ श्री अमृत लाल कांति लाल मुंडलिया परिवार को प्राप्त हुआ। अष्टम दिवस के सौधर्म इंद्र इंद्राणी श्री हितेंद्र कुमार सीमा देवी पंचोली के सानिध्य में सभी कार्यक्रम संपन्न हुए । पंडित संजय शास्त्री के सानिध्य में पूजन संगीतकार संजय जैन एंड पार्टी द्वारा करवाया गया ,पंडित संजय शास्त्री ने बताया कि सच्चे मन से कषाय और मिथ्यात्व का त्याग करना उत्तम त्याग धर्म है, आत्म शुद्धि के उद्देश्य से क्रोध,मान,माया और लोभ आदि विकारी भावो को छोड़ना तथा स्व और पर के उपकार की दृष्टि से अपने उपयोग के धन धान्य आदि पदार्थो का सुपात्र को दान करना भी उत्तम त्याग धर्म है ट्रस्ट के अध्यक्ष भंवर

लाल मुंडलिया एवं महामंत्री भूरी लाल जैन ने बताया कि उत्तम अकिंचन्य धर्म दिवस के सौधर्म इंद्र इंद्राणी दिलीप कुमार वर्षा देवी पंचोली को लाभ प्राप्त होगा। 19 सितम्बर को श्रीजी की पालकी जुलूस के रूप में गोवर्धन सागर जायगी जहां पर भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की जायगी । परिषद के अध्यक्ष हितेश मुंडलिया ने बताया कि जैन पाठशाला के बालक/बालिकाओ द्वारा धार्मिक नाटक मंचन किया गया। 16 सितम्बर को चित्र भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा एवं समाज के प्रतिभावान बालक बालिकाओं का सम्मान 17 सितम्बर को किया जाएगा ।

बीएन फार्मेसी में फार्म.डी. नवांगतुक विद्यार्थियों के लिए 'युफोरिया इव' फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

संजीवनी टुडे

उदयपुर। फार्म.डी. द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा फार्म.डी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'युफोरिया इव' फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में फैशन वॉक, डांस, सिंगिंग और शायरी जैसे बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिले, जिनकी वजह से यह शाम यादगार बन गई। फैशन वॉक के जरिए मिस फ्रेशर और मिस्टर फ्रेशर का चयन किया गया। इस दौरान मिताली जैन को मिस फ्रेशर और अमानत अली को मिस्टर फ्रेशर के खिताब से नवाजा गया। इसके साथ ही अन्य श्रेणियों में भी विजेताओं का चयन किया गया, उसमें मिस्टर चार्मिंग मुदित जैन, मिस परफॉर्मेंस पल्लवी हाड़ा, मिस्टर परफॉर्मर अनिल नेहरा, और मिस एलिगेंस दिव्यांशी पंड्या को चुना गया। फैशन प्रतियोगिता में आलोक भार्गव, डॉ.भक्तराज सिंह चौहान और डॉ.हर्षिता कलाल निर्णायक थे। इस विशेष अवसर पर कॉलेज के फैकल्टी मेंबर्स भी उपस्थित थे। डीन डॉ. वाई.एस. सारंगदेवोत और अन्य सम्मानित अतिथि डॉ. एम.एस. राणावत, डॉ. एस.एस. सिसोदिया, डॉ. सी.एस. शर्मा, डॉ. हितेश कोठारी, डॉ. जे.एस. वाघेला, डॉ. के.एस. राठौड़, डॉ. नीलू झाला, डॉ. वंशिका व्यास, डॉ. ऋषि महेश्वरी, आदित्य पंत और डॉ. दृष्टि चौहान भी मौजूद थे। 'इंफोरिया ईव' ने सभी नवागंतुक छात्रों के लिए मनोरंजन और उमंग से भरपूर एक खूबसूरत शाम प्रदान की, जो उनके कॉलेज जीवन की एक खास शुरुआत के रूप में याद रखी जाएगी।

सभी प्रकार बहिरंग अंतरंग परिग्रह को छोड़ना ही उत्तम त्याग धर्म है: बालयोगी मुनि श्रुतधरनंदी

गमेर बाग धाम में दशलक्षण पर्व के पर्युषण के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म दिवस भक्तिभाव से मनाया

संजीवनी टुडे

चातुर्मासिक धर्मसभा में उमड़ रहा है सकल दिगम्बर जैन समाज

उदयपुर। गोवर्धन विलास हिरण मगरी सेक्टर 14 स्थित गमेर बाग धाम में श्री दिगम्बर जैन दशा नागदा समाज चेरिटेबल ट्रस्ट एवं सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में गणधराचार्य कुंथुसागर गुरुदेव के शिष्य बालयोगी युवा संत मुनि श्रुतधरनंदी महाराज, मुनि उत्कर्ष कीर्ति महाराज, क्षुलक सुप्रभात सागर महाराज के सान्निध्य में प्रतिदिन वर्षावास के तहत दस लक्षण महापर्व आयोजन की धूम जारी है। चातुर्मास समिति के महावीर देवड़ा, पुष्कर जैन भदावत, दिनेश वेलावत व कमलेश वेलावत ने संयुक्त रूप से बताया कि रविवार को गमेर बाग धाम में बालयोगी युवा संत मुनि श्रुतधरनंदी महाराज के सान्निध्य में दशलक्षण पर्व के तहत आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म दिवस मनाया गया। इस दौरान 400 से अधिक जोड़ों ने दस लक्षण विधान

की पूजा-अर्चना की व मूलनायक भगवान पर शांतिधारा व पंचामृत अभिषेक किया। आज प्रभु के मस्तक पर जैसे जैसे दूध की शांतिधारा होती गई, वैसे-वैसे प्रभु का मुख चमकने लगा। कामधेनु प्रभु पर अभिषेक करनें की होड़ सभी श्रावक-श्राविकाओं में लगी रही। देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ो श्रद्धालुओं ने खूब धर्म आराधना एवं भक्ति भाव का लाभ लिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत, महामंत्री सुरेश पद्मावत ने बताया कि इस दौरान आयोजित धर्मसभा में बालयोगी युवा संत श्रुतधरनंदी महाराज ने प्रवचन में कहां कि उत्तम त्याग धर्म दान देकर मन में आनंदित होना अगर कुछ चाहते हो तो कुछ दे दो कुछ कुछ चाहते हो तो कुछ कुछ दे दो बहुत कुछ चाहते हो तो बहुत कुछ दे दो सब कुछ चाहते हो तो सब कुछ दे दो सभी प्रकार बहिरंग अंतरंग परिग्रह को छोड़ना ही उत्तम त्याग धर्म है । मनुष्य की शुद्धात्मा के ग्रहण पूर्वक ब्राह और अभ्यन्तर परिग्रह का छुटकारा त्याग हैं ,त्याग धर्म हैं एवं दान पुण्य हैं, त्यागियों के पास रंच मात्र भी परिग्रह नहीं होता है जबकि दानियों के पास ढेर सारा परिग्रह पाया जाता है,गुण और दोष की सच्ची समझ नहीं होने के कारण भी व्यक्ति अपने दोषों का त्याग नहीं कर पाता हैं, त्याग एक ऐसा धर्म है जिससे प्राप्त कर आत्मा पूर्ण ब्रह्म में लीन हो सकती है। कार्यक्रम का संचालन लोकेश जैन जोलावत ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत, विजयलाल वेलावत, पुष्कर जैन भदावत, महावीर देवड़ा, दिनेश वेलावत, कमलेश वेलावत, भंवरलाल गदावत, सुरेश पद्मावत, देवेन्द्र छाप्या, ऋषभ कुमार जैन, भंवरलाल देवड़ा, मंजु गदावत, सुशीला वेलावत, बसन्ती वेलावत, भारती वेलावत, शिल्पा वेलावत, अल्पा वेलावत सहित सकल जैन समाज के सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे।

बी एन कन्या इकाई में हिन्दी दिवस पर एन एस एस द्वारा गोष्ठी एवं शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन

संजीवनी टुडे

हिन्दी हमारे संस्कारों और संस्कृति की भाषा है।

उदयपुर। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय की कन्या इकाई में का अधिकाधिक प्रयोग के संकल्प के साथ हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. शिल्पा राठौड़ ने हिन्दी दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हिन्दी हमारे संस्कारों एवं संस्कृति की भाषा है। आज भी हमारी आत्मीयता हमारी हिन्दी भाषा से ही व्यक्त होती है। महाविद्यालय की छात्रा कल्पना मीणा ने हिन्दी के विकास में आर्यसमाज के अवदान को विस्तार के साथ रेखांकित करते हुए बताया कि विदेशों में हिन्दी भाषा के प्रसार में आर्यसमाज का योगदान अतुलनीय है। पायल मेनारिया ने बाल कवि बैरागी की कविता हिन्दी अपने घर की रानी की काव्यमय प्रस्तुति दी। डॉ. अनिता राठौड़ ने हिन्दी दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी भाषा में संबंधों की जैसी मिठास है व अंग्रेजी में नहीं है। अतः हमें

अपने घर परिवार और सभी जगह हिन्दी का प्रयोग करते हुए गर्व का अनुभव करना चाहिए। हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. हुसैनी बोहरा ने हिन्दी दिवस के आयोजन के ऐतिहासिक परिपे्रेक्ष्य को स्पष्ट करते हुए हिन्दी का अधिकाधिक व्यावहारिक जीवन में उपयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लिखित और मौखिक दोनों ही रूपों में हिन्दी भाषा के प्रयोग करने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के चैयरपर्सन प्रो कर्नल शिवसिंह सारंदेवोत, विद्याप्रचारिणी सभा के मंत्री डॉ महेन्द्र सिंह राठौड़, भूपाल नोबल्स संस्थान के प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ और विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. निरंजन नारायण सिंह ने हिन्दी दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि हिन्दी के प्रयोग में सम्मान समझना चाहिए। यह हमें अपने देश के प्रति समर्पण के भाव को व्यक्त करती है।

कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. कीर्ति राठौड़ ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय संकाय सदस्य एवं विद्यार्थिगण उपस्थित थे। इसके पश्चात हिन्दी विभाग के विद्यार्थियों एवं एन एस एस के स्वयं सेवकों को गुलाबबाग स्थित नवलखा म्यूजियम के लिए शैक्षणिक भ्रमण के तहत ले जाया गया। अशोक कुमार आर्य ने हिन्दी के विकास में स्वामी दयानंद सरस्वती के अवदान का स्मरण करते हुए कहा कि स्वामी दयानन्द सरस्वती गुजराती भाषी होते हुए भी सत्यार्थ प्रकाश की रचना हिन्दी में की है। हमें हिन्दी को गर्व की दृष्टि से देखना होगा तभी हम इसे जीवंत भाषा बनाये रख सकते हैं। इस अवसर पर एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. लोकेश्वरी राठौड़ ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए ऐसे भ्रमण के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि प्रकृति के साहचर्य से हमें प्रेरणा मिलती है।

कत्थक कार्यशाला नृत्योपासना 20 सितंबर से

संजीवनी टुडे

उदयपुर। गुलाब बाग आरएमवी रोड स्थित भारतीय शास्त्रीय संगीत के उत्थान हेतु संचालित अर्बुदा कला मंदिर संगीत प्रशिक्षण संस्थान में 20 सितंबर से 30 सितंबर तक 10 दिवसीय कत्थक कार्यशाला नृत्योपासना का आयोजन प्रतिदिन शाम 4 से 6 बजे तक किया जाएगा। पंजीकरण रविवार दिन में 12 से 3:00 बजे शुरू हो जाएंगे। संस्थान के निदेशक विवेक अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यशाला में लखनऊ घराने की छत्तीसगढ़, गोरखपुर की कलाकार अक्षिता त्रिपाठी कत्थक कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को लखनऊ घराने से संबंधित सलामी, तोड़े, कवित, भाव, लयकारी की बारीकियां सिखाएगी । इस कार्यशाला में किसी भी उम्र के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। इसमें भाग लेने के लिए संस्थान ने पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण प्रातः 11:00 से रात 8:00 बजे तक किए जा सकेंगे। जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 98291 43384 पर संपर्क कर सकते हैं। कलाकार परिचयः- अक्षिता त्रिपाठी एक कथक

कलाकार। पुराने ज़माने की प्राचीन कला की तरह, शास्त्रीय नृत्य भी एक उम्र के रियाज़ के बाद एक महान सार देता है। ये 12 वर्षों से अधिक समय से इस कला का अभ्यास कर रही है।, वर्तमान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त कर रही है। आपने स्नातक की पढ़ाई अपने गुरु डॉ. जितेश गडपायले, अध्येता सम्राट चौधरी और अध्येता तनुश्री चौहान के मार्गदर्शन में की है। वर्तमान दिनों में सुशांत गौरव के अधीन अभ्यास कर रही है।, वह पं. बिरजू महाराज और लीजेंड फसीह उर रहमान के शिष्य हैं। इन्होंने कुछ प्रसिद्ध हस्तियों की कार्यशालाओं में भी भाग लिया है। दुर्गा आर्य जी, बिशु चक्रवर्ती। इसके अलावा आपने-शिवरी नारायण महोत्सव, छत्तीसगढ़-2022,आजादी का अमृत महोत्सव, गोरखपुर उ.प्र.-2019 - अखिल भारतीय, गोरखपुर उ.प्र.-2018 के तहत प्रदर्शन -गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, खजुराहो म.प्र.-2024 मे अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

मीडिया तारीफ करे तो ठीक है, पार्टियां आलोचना नहीं सुन सकतीं

हाल ही में हुए लोकसभ चुनाव में लगभग सभी दलों ने मीडिया को जमकर कोसा। इतना ही नहीं मीडिया को धमकी भरी चेतावनी तक दी गई। कारण स्पष्ट है कि मीडिया निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से चुनाव के परिणामों का आकलन कर रहा था। राजनीतिक दलों की नियति बन चुकी है अपनी गलतियों को छिपाने के लिए मीडिया के सिर पर ठीकरा फोड़ने की। राजनीतिक दलों को इसके लिए सबसे आसान शिकार मीडिया ही नजर आता है। इसी कड़ी में तमिलनाडू के सत्तारूढ़ दल एआईएडीएमके ने मीडिया को गैर आधिकारिक खबरें देने पर कार्रवाई करने की धमकी दी है। इससे पहले भी राजनीतिक दलों द्वारा मीडिया के धमकाने की इसी तरह की कवायद की जाती रही है। सत्तारूढ़ दलों का प्रयास यही रहता है कि उनके विरोधी दलों के खिलाफ मीडिया खूब लिखे-बोले पर अपने खिलाफ चुप रहे।

इससे पहले उत्तर प्रदेश में एक मीडियाकर्मी को पुलिस ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर टिप्पणी करने पर गिरफ्तार कर लिया। आखिरकार मामला जब सुप्रीम कोर्ट गया तो कोर्ट ने पुलिस से पूछ लिया कि आखिर किस कानून के तहत यह कार्रवाई की गई है। कोर्ट ने पुलिस को चेताते हुए मीडियाकर्मी को रिहा करने के आदेश दिए। इस कार्रवाई की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि उत्तर प्रदेश रेलवे पुलिस ने नए कारनामे को अंजाम दे दिया। जीआरपी ने मालगाड़ी के पटरी से उतरने की कवरेज पर गए मीडियाकर्मी की जमकर पिटाई की और उसे हवालात में बंद कर दिया। पुलिस बर्बरता का वीडियो वायरल होने पर सरकार को अपनी किरकिरी से बचने के लिए आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ी। राजनीतिक दलों के लिए मीडिया किसी अछूत की तरह है। यदि मीडिया उनका गुणगान करता रहे तब तक उन्हें कोई तकलीफ नहीं होती, किन्तु उनके खिलाफ लिखने या बोलने पर वह दुश्मन बन जाता है। यह हालत सभी राजनीतिक दलों की है। आश्चर्य की बात यह है कि राजनीतिक दल देश में लोकतंत्र की दुहाई देते हैं। दुहाई देते वक्त यह भूल जाते हैं कि गैर सरकारी और स्वतंत्र मीडिया के बगैर लोकतंत्र का बने रहना संभव नहीं है। लोकतंत्र की बुनियादी शर्तों में मीडिया का स्वतंत्रता शामिल है। इसके बगैर तंत्र कैसा भी हो, लोकतंत्र नहीं हो सकता।

हाल ही में हुए लोकसभ चुनाव में लगभग सभी दलों ने मीडिया को जमकर कोसा। इतना ही नहीं मीडिया को धमकी भरी चेतावनी तक दी गई। कारण स्पष्ट है कि मीडिया निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से चुनाव के परिणामों का आकलन कर रहा था। यह आकलन जिन दलों के खिलाफ था, उनका पारा गुस्से से छलक उठा। ऐसे दलों ने मीडिया को विभिन्न उपाधियों से नवाज दिया। मसलन मीडिया बिकाऊ है, झूठा है इत्यादि और साथ ही सबक सिखाने की धमकियां दी गई। मीडिया के साथ ही स्वतंत्र संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग भी निशाने पर रहा। ईवीएम को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलाने में राजनीतिक दलों ने कसर बाकी नहीं रखी। इसको लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट तक चला। कोर्ट ने राजनीतिक दलों की मांग खारिज कर दी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने बाकायदा मीडिया के खिलाफ अभियान चला दिया। चुनाव से पूर्व और उसके बाद अभी तक मीडियाकर्मियों को धमकियां और हमले जारी हैं। चुनाव की कवरेज के दौरान भी मीडियाकर्मियों पर हमले किए गए। लोकसभा चुनाव परिणाम आने पर राजनीतिक दल अपनी खीझ मीडिया पर निकालते रहे हैं। देश के मतदाताओं का भाजपा और उसके सहयोगी दलों के पक्ष में दिया गया निर्णय विपक्षी दल पचा नहीं पाए। पहले तो चुनाव से पूर्व के आकलन को खारिज कर दिया गया। इसके बाद पोल सर्वे की रिपोर्टों को बकवास करार दिया गया। चुनाव परिणाम आने के बाद पूरी तरह हताश राजनीतिक दलों को पराजय स्वीकार करने में भारी तकलीफ हुई। कांग्रेस और सपा-बसपा सहित अन्य विपक्षी गठबंधनों की कलई खुल गई। सिद्धान्तों की बजाए स्वार्थों का यह गठबंधन चुनाव परिणाम आते ही टूटते देर नहीं लगी। आपसी कलह खुल कर होने लगी। सत्ता के बगैर पार्टियों का अनुशासन सड़कों पर आ गया। हार के चलते विपक्षी दलों में मचे घमासान की खबरें जब मीडिया में आने लगीं तो गलतियों को सुधारने के बजाए मीडिया पर ही पाबंदी लगाए जाने लगी। समाजवादी पार्टी ने प्रवक्ताओं का पैनल भंग कर दिया।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

तो इन्हें है अफ़ग़ानी महिलाओं के 'हितों की चिंता !

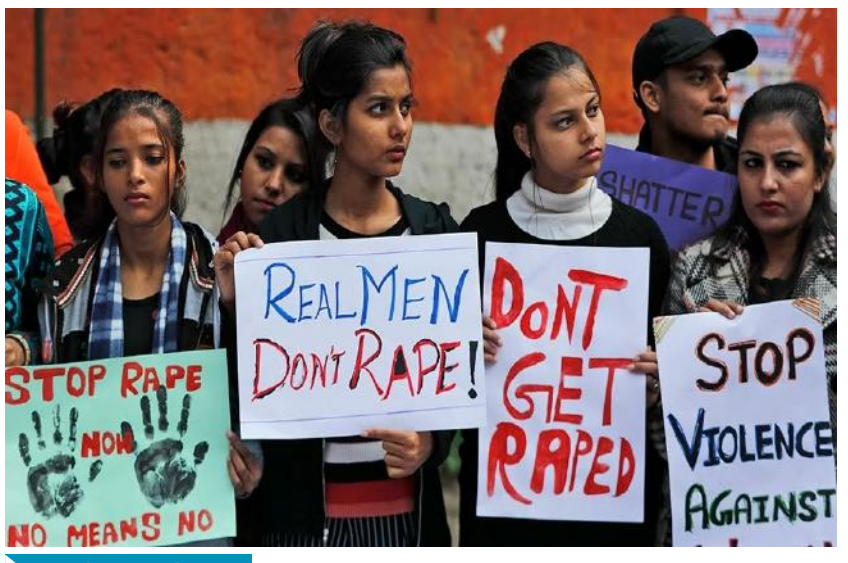

अफ़ग़ानिस्तान पर तालिबानी नियंत्रण के बाद भारत सहित दुनिया के कई देशों यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ में भी इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि तालिबानों के शासन काल में शरिया क़ानून की आड़ में महिलाओं के अधिकारों का ज़बरदस्त हनन हो सकता है। हालांकि ताज़ा ख़बरों के अनुसार तालिबान ने महिलाओं के लिये अलग स्कूल कॉलेज में पढ़ाई करने की बात की है। परन्तु हमारे देश में अफ़ग़ानिस्तान की हालत पर ख़ासकर वहां महिलाओं की संभावित दयनीय स्थिति पर कुछ ज़्यादा ही शोर शराबा किया जा रहा है। बेशक हमारे देश में महिलाओं को लगभग हर क्षेत्र अपनी प्रतिभा निखारने की पूरी आज़ादी है। वैसे भी स्वतंत्र भारत में इंदिरा गाँधी जैसी विश्व की महान नेता ने लगभग 14 वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित कर यह साबित कर दिखाया कि भारतवर्ष पुरुषों व महिलाओं के मध्य भेदभाव यहां तक कि राजनैतिक वर्चस्व को लेकर भी लिंग भेद नहीं रखता। कुछ ऐसा ही उदाहरण पिछले दिनों बंगाल चुनाव परिणामों ने ममता बनर्जी को भारी जीत दिलाकर भी पेश किया। सवाल यह है कि क्या यह उदाहरण यह साबित करते हैं कि भारत में महिलाओं की स्थिति,उनका मान सम्मान उनकी सुरक्षा आदि सब कुछ वैसा ही है जैसा कि इन चंद उदाहरणों में देखने को मिलता है ? तालिबानी मानसिकता को हम महिला विरोधी मानसिकता रखने वाला रूढ़ीवादी संगठन कहते हैं और अफ़ग़ानी महिलाओं के प्रति अपनी चिंताओं का इज़हार करते नहीं थकते। शायद उसी तरह जैसे कि मुसलमानों के अतिसूक्ष्म वर्ग में प्रचलित तिहरे तलाक़को लेकर हम बहुत चिंतित थे ?

परन्तु हमारे दोहरे चरित्र वाले समाज की हक़ीक़त तो कुछ और ही है। धर्म और राजनीति में अहम पदों व गद्दियों पर बैठे लोग आज महिलाओं के सम्मान व स्वतंत्र अधिकारों वाले देश भारत में महिलाओं को किस नज़र से देखते हैं इसके सैकड़ों उदाहरण देखे सुने जा सकते हैं। अफ़ग़ानिस्तान में पुरुषवादी वर्चस्व को यदि तालिबानी शरिया के नाम पर क़ायम रखना चाहते हैं तो हमारे देश में भी अनेक लोग अपने दुर्भावना पूर्ण वक्तव्यों से अपने मस्तिष्क में घुसे तालिबानों से भी ख़तरनाक विचारों को उजागर करते रहते हैं। इन दिनों ग़ाज़ियाबाद का एक पुजारी उस समय से काफ़ी चर्चा में जबसे उसके मंदिर के बाहर लगे प्याऊ पर एक छोटे लड़के की कुछ लोगों द्वारा सिर्फ़ इसलिये पिटाई की गयी थी क्योंकि वह हिन्दू नहीं था और मंदिर के प्याऊ में पानी पी रहा था। यह पुजारी महोदय उस समय प्यासे लड़के के पक्ष में नहीं बल्कि प्यासे की पिटाई करने

विचार बिन्दु

निर्मल रानी

परन्तु हमारे दोहरे चरित्र वाले समाज की हक़ीक़त तो कुछ और ही है। धर्म और राजनीति में अहम पदों व गद्दियों पर बैठे लोग आज महिलाओं के सम्मान व स्वतंत्र अधिकारों वाले देश भारत में महिलाओं को किस नज़र से देखते हैं इसके सैकड़ों उदाहरण देखे सुने जा सकते हैं। अफ़ग़ानिस्तान में पुरुषवादी वर्चस्व को यदि तालिबानी शरिया के नाम पर क़ायम रखना चाहते हैं तो हमारे देश में भी अनेक लोग अपने दुर्भावना पूर्ण वक्तव्यों से अपने मस्तिष्क में घुसे तालिबानों से भी ख़तरनाक विचारों को उजागर करते रहते हैं।

वाले हट्टे कट्टे युवकों के पक्ष में खड़े थे। इसी घटना से इनकी मानसिकता तथा इनकी कथित 'हिन्दूवादिता ' का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। आज इसी घटना ने इनको प्रसिद्धि क्या दिला दी कि इन्होंने जब जो चाहे,जहाँ चाहे बोलना शुरू कर दिया। गत दिनों उनका एक वीडीओ वायरल हुआ जिसमें वे कहते सुने गये कि- 'बी जे पी में जितनी भी महिलायें दिखाई दे रही हैं वो एक नेता के पास गईं और दूसरे के पास नहीं तो उनका काम नहीं होता। तीसरे से काम है तो तीसरे के पास जाना है। अब ये हैं ईमानदार और चरित्रवान लोग। ये है राजनीति। जितनी महिलायें राजनीति करती घूमती हैं। पूरा मज़ा आ रहा है। '

'धर्मगुरु ' के इस बयान के बाद वही महिलायें इनपर आग बबूला हो गयीं जो प्याऊ काण्ड में केवल हिन्दू होने के नाते इनके साथ खड़ी थीं। परन्तु चूंकि इस बार उसने भजपाई महिलाओं की स्मिता पर हमला किया इसलिये इसके इस आपत्तिजनक बयान का पुरज़ोर विरोध हुआ। महिलाओं को नीचे दिखाने व उन्हें अपमानित करने वाले इस तरह के तमाम बयान धर्मगुरुओं द्वारा दिए भी जाते हैं और अनेक धर्मगुरु महिलाओं के शारीरिक शोषण में शामिल भी पाए जाते हैं। इससे इनके अनुयाईयों पर महिलाओं को लेकर आख़िर क्या छवि बनती होगी? इनके अनुयायी और ऐसे गुरुओं के अंधभक्त महिलाओं को सम्मान व अस्मिता विहीन दैहिक शोषण की वस्तु अर्थात भोग्या मात्र नहीं तो और क्या समझेंगे? आये दिन कोई धर्मगुरु,कोई नेता या कोई अधिकारी अथवा विशिष्ट व्यक्ति जब महिलाओं के शोषण अथवा बलात्कार में सम्मिलित पाया जाता है,जब नेताओं द्वारा अश्लील फ़िल्में सदन में बैठकर देखी जाती हों ऐसे वातावरण में देश में बलात्कारियों और वह भी दुर्दांत बलात्कारियों व हत्यारों की संख्या रोज़ाना बढ़ेगी या नहीं ?

सोशल मीडिया पर अभी तक वह वीडिओ मौजूद है जिसमें मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में उनकी पार्टी का एक नेता सार्वजनिक रूप से यह कहता है कि 'मुसलमानों की औरतों को क़ब्र से निकाल कर बलात्कार करना चाहिये '। इसके बाद योगी का भाषण हुआ और उन्होंने उस व्यक्ति के इस क़ब्र आपत्तिजनक भाषण पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बाद में योगी जी इसी सांप्रदायिक वातावरण की शाख़-बेल फूटने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गये। और इतनी अभद्र भाषा बोलने वाले नेता का भी कुछ नहीं बिगड़ा। पिछले दिनों लोकजनशक्ति पार्टी के एक सांसद प्रिंस राज के विरुद्ध बलात्कार संबंधी प्राथमिकी एक महिला ने दर्ज कराई। इनके माता पिता ने कितने अरमानों से इनका नाम 'प्रिंस ' भी रखा और 'राज ' भी कि बड़ा होकर उनका नौनिहाल किसी 'प्रिंस' की तरह 'राज' करेगा। परन्तु इनके आचरण के चलते इनके भाग्य में तो बलात्कार का आरोपी बनना लिखा था। अब ऐसे युवा 'माननीयों ' के युवा समर्थकों की फ़ौज इनसे क्या प्रेरणा लेगी ? वे अपने इर्द गिर्द की महिलाओं को क्या सम्मान की नज़रों से देखेंगे या 'भोग्या ' की नज़रों से ?

अफ़ग़ानिस्तान में तालिबानी राज हो या न हो परन्तु वहां से कभी किसी 'निर्भया ' जैसे हादसे की ख़बर नहीं आती ,जबकि हमारे देश के अख़बार तो अक्सर बताते रहते हैं कि देश में एक और 'निर्भया काण्ड ' हुआ। यह मानसिकता तालिबानी मानसिकता नहीं बल्कि 'राक्षसीय मानसिकता' है क्योंकि महिलाओं को खुली आज़ादी न देकर तो तालिबानी लोग 'शरिया ' की आड़ ले लेते हैं परन्तु क़ब्र से खोद कर बलात्कार करने,धर्म के आधार पर बलात्कारियों का साथ देने और पीड़िता के विरुद्ध खड़े होने,धर्म गुरुओं व नेताओं तथा अनेकानेक विशिष्ट व्यक्तियों व 'माननीयों ' द्वारा हमारे देश में महिलाओं के साथ जो बर्ताव किया जाता है अथवा जो नज़रिया रखा जाता है उसे तो न कोई धार्मिक शिक्षा सही ठहरा सकती है न कोई तर्क अथवा समाजशास्त्र। देवियों की पूजा करना और कन्याओं की कंजक पूजा आदि कार्यकलाप उस समय धरे के धरे रह जाते हैं जब देश के किसी भी कोने से बलात्कार,सामूहिक बलात्कार व बलात्कार के बाद नृशंस हत्याओं यानी 'निर्भया काण्ड ' दोहराये जाने जैसे ख़बरें आती रहती हैं। उस समय यह ज़रूर सोचना पड़ता है कि क्या इन्हीं बलात्कारी मानसिकता के लोगों को हर समय अफ़ग़ानी महिलाओं के 'हितों की चिंता सताये रहती है ?

अपने सुहाग की रक्षा के लिए इस तरह करें वट सावित्री व्रत

इस दिन भक्त को सोने या मिट्टी से बने सावित्री-सत्यवान और भैंसे पर सवार यमराज की मूर्ति बनाकर धूप-चन्दन, रोली, फल और केसर से पूजन करना चाहिए और सावित्री-सत्यवान कि कथा सुननी चाहिए। वट सावित्री व्रत कथा का हमारे भारतीय समाज में खास महत्व है। यह त्यौहार उत्तर भारत के साथ दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में भी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग की रक्षा के लिए वट वृक्ष की पूजा करती हैं।

ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को वट सावित्री अमावस्या होती है। इस दिन सौभाग्यवती नारियां अखंड सौभाग्य पाने के लिए वट सावित्री का व्रत रखकर वट के पेड़ और यमदेव की अराधना करती हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्श नारी का पर्याय बन चुका है। इस व्रत में वट और सावित्री, दोनों का खास महत्व है।

इस दिन सत्यवान, सावित्री की यमराज के साथ पूजा होती है। इस व्रत को करने से नारी का अखंड सौभाग्य बना रहता है। सावित्री ने इसी व्रत को कर अपने पति सत्यवान को यमराज से जीत लिया था। इस दिन भक्त को सोने या मिट्टी से बने

सावित्री-सत्यवान और भैंसे पर सवार यमराज की मूर्ति बनाकर धूप-चन्दन, रोली, फल और केसर से पूजन करना चाहिए और सावित्री-सत्यवान कि कथा सुननी चाहिए।

सावित्री राजा अश्वपति की बेटी थी। राजा ने बहुत पूजा-पाठ करने के बाद सावित्री देवी की अनुकम्पा से पाया था। इसलिए राजा ने अपनी बेटी का नाम 'सावित्री' रखा था। सावित्री बहुत सुंदर और गुणी थीं, लेकिन पिता की बहुत कोशिशों के बाद सावित्री को उनकी तरह गुणवान वर न मिल सका। अंत में हारकर राजा ने सावित्री को खुद वर की तलाश में भेज दिया। उसी समय सावित्री को सत्यवान मिले और उन्होंने सत्यवान को वर के रूप में स्वीकार कर लिया। सत्यवान वैसे तो राजघराने के थे लेकिन परिस्थितयों ने उनका राज छीन लिया था और उनके माता-पिता अंधे हो गए थे। सत्यवान व सावित्री की शादी से पहले ही नारद मुनि ने सावित्री को बता दिया था कि सत्यवान दीर्घायु नहीं बल्कि अल्पायु हैं, इसलिए सावित्री उनसे शादी न करे। लेकिन सावित्री ने देवर्षि नारद की बात न मानकर उनसे विवाह कर लिया और कहा नारी जीवन में एक बार ही पति का वरण करती है, बार-बार नहीं। इसलिए मैंने एक बार सत्यवान को वर मान लिया है तो मुझे उसके लिए मौत से भी लड़ना पड़े तो मैं हूं।

जब सत्यवान की मौत का समय पास आया तो तीन दिन पहले ही सावित्री ने अन्न-जल छोड़ दिया। मौत वाले दिन सत्यवान जब जंगल में लकड़ी काटने गए तो सावित्री भी उनके साथ गयीं और जब यमराज उन्हें लेने आए तो सावित्री भी उनके साथ जाने लगीं। यह देखकर यमराज उन्हें समझाने लगें फिर भी वह वापस नहीं लौटीं। तब यमराज ने सावित्री से कहा कि तुम सत्यवान का जीवन छोड़कर कोई भी वर मांग सकती हो।

16 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1810	निगवेल हिदाल्गो ने स्पेन से मैक्सिको की आज़ादी के लिए संघर्ष शुरु किया।
1821	मैक्सिको की स्वतंत्रता को मान्यता मिली।
1908	'जनरल मोटर्स निगम' की स्थापना की गई।
1947	टोक्यो के सईतामा में चक्रवाती तूफान कैथलीन से 1,930 लोगों की मौत हो गई।
1975	केप वर्डे , मोजाम्बिक, साओ टोमे और प्रिंसिप संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुए।
1975	पापुआ न्यू गिनी ने आस्ट्रेलिया से स्वतंत्रता हासिल की।
1978	जनरल जिया उल हक़ पाकिस्तान के राष्ट्रपति निर्वाचित।
2003	भूटान ने भारतीय हितों के ख़िलाफ़ अपनी ज़मीन के इस्तेमाल नहीं होने देने का आश्वासन दिया।
2007	पाकिस्तान के मुख्य चुनाव आयुक्त ने परवेज मुशर्रफ़ के राष्ट्रपति पद पर दुबारा चुनाव लड़ने के लिए चुनाव से जुड़े क़ानूनों में संशोधन किया।
2007	वन टू गो एयरलांइस का विमान थाईलैंड में दुर्घटनाग्रस्त होने से 89 लोगों की मौत।
2008	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के कर्मचारियों को विश्वकर्मा पुरस्कार प्रदान किया गया।
2009	दुनिया भर के समक्ष भारत के एक उत्कृष्ट पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने वाले अतुल्य भारत विज्ञान अभियान को ब्रिटिश पुरस्कार मिला।

शिल्पशास्त्र के आविष्कारक विश्वकर्मा

विचार बिन्दु

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्वकर्मा के यथाविधि पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं।

विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेष्ठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। धर्मग्रंथों में विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रहमाजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तुदेव थे। जिन्हें शिल्प शास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तुदेव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तु शिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तु तंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तु विद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। वज्र का निर्माण भी उन्होने ही किया था। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्गलोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुरराज रावण की स्वर्ण नगरी लंका, भगवान श्रीकृष्ण की समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवान शिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवान शिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तथा उसने महल ही मांग लिया। भगवान शिव ने उसे महल दे दिया और वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देव शिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं।

देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। इनकी गणना सर्वाधिक महत्वपूर्ण देवों में होती है। मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चन किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। इसी प्रकार विश्व कर्मा की एक कहानी और है कि महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। इस तरह स्कंद पुराण में उन्हें देवयानों का सृष्टा कहा गया है। स्कंद पुराण में ही एक अन्य स्थल पर उल्लेख है कि वे शिल्प शास्त्र के इतने बड़े मर्मज्ञ थे कि जल पर चल सकने योग्य खड़ाऊ बनाने की सामथ्र्य रखते थे। माना जाता है कि प्राचीन काल में जितने भी सुप्रसिद्ध नगर थे उनके वास्तु शिल्प का सृजन भी विश्वकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेता युग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। विष्णु को चक्र, शिव को त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रह कर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी।

आया मानसून बुखार से जरा बचके

रिमझिम फुहारों के साथ बरसात का मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी लाता है, जिनमें बुखार बड़ा कॉमन है। डेंगू के मामले भी बढ़ रहे हैं। डेंगू, टायफाइड और मलेरिया के बारे में आइए विस्तार से जानें

क्या है बुखार

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर अपने आप ही उसे मारने की कोशिश करता है। इसी मकसद से शरीर जब अपना टेम्प्रेचर बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। अगर शरीर का तापमान सुबह के समय 99 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा और शाम के वक्त 99.9 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा है, तो बुखार माना जाता है। अब 98.4 नॉर्मल टेम्प्रेचर का कॉन्सेप्ट बदल चुका है। मलेरिया और डेंगू में बुखार 101 से लेकर 103 डिग्री फारनहाइट तक पहुंच जाता है, जबकि वायरल में बुखार की रेंज को बता पाना काफी मुश्किल होता है।

खुद क्या करें

बुखार अगर 102 डिग्री तक है और कोई और खतरनाक लक्षण नहीं हैं तो मरीज की देखभाल घर पर ही कर सकते हैं। इसमें तीन चार दिन तक इंतजार कर सकते हैं। मरीज के शरीर पर सामान्य पानी की पट्टियां रखें। पट्टियां तब तक रखें, जब तक शरीर का तापमान कम न हो जाए। अगर इससे ज्यादा तापमान है तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं। मरीज को एसी में रख सकते हैं, तो बहुत अच्छा है, नहीं तो पंखे में रखें। कई लोग बुखार होने पर चादर ओढ़कर लेट जाते हैं और सोचते हैं कि पसीना आने से बुखार कम हो जाएगा, लेकिन इस तरह चादर ओढ़कर लेटना सही नहीं है। साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखें। मरीज को वायरल है, तो उससे थोड़ी दूरी बनाए रखें और उसके द्वारा इस्तेमाल की गई चीजें इस्तेमाल न करें। मरीज को पूरा आराम करने दें, खासकर तेज बुखार में। आराम भी बुखार में इलाज का काम करता है। मरीज छींकने से पहले नाक और मुंह पर रुमाल रखें। इससे वायरल होने पर दूसरों में फैलेगा नहीं।

बरतें ऐहतियात

ठंडा पानी न पीएं, मैदा और बासी खाना न खाएं। खाने में हल्दी, अजवाइन, अदरक, हींग का ज्यादा-से-ज्यादा इस्तेमाल करें। इस मौसम में पत्ते वाली सब्जियां, अरबी, फूलगोभी न खाएं। हल्का खाना खाएं, जो आसानी से पच सके। पूरी नींद लें। मिर्च मसाले और तला हुआ खाना न खाएं, भूख से कम खाएं, पेट भर न खाएं। खूब पानी पीएं। छाछ, नारियल पानी, नीबू पानी आदि खूब पिएं। नाक के अंदर की तरफ सरसों का तेल लगाकर रखें। इससे तेल की चिकनाहट बाहर से बैक्टीरिया को नाक के अंदर जाने से रोकती है। खाने में हल्दी का इस्तेमाल ज्यादा करें। सुबह आधा चम्मच हल्दी पानी के साथ या रात को आधा चम्मच हल्दी एक गिलास दूध के साथ लें। लेकिन अगर आपको नजला, जुकाम या कफ आदि है तो दूध न लें। तब आप हल्दी को पानी के साथ ले सकते हैं। 8-10 तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ मिलाकर लें या तुलसी के 10 पत्तों को पौने गिलास पानी में उबालें, जब वह आधा रह जाए तब उस पानी को पीएं।

FEVERS

डेंगू कैसे और कब

डेंगू मादा एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। इन मच्छरों के शरीर पर चीते जैसी धारियां होती हैं। ये मच्छर दिन में, खासकर सुबह शरीर के निचले हिस्सों पैरों आदि पर काटते हैं। डेंगू बरसात के मौसम और उसके फौरन बाद के महीनों यानी जुलाई से अक्टूबर में सबसे ज्यादा फैलता है। काटे जाने के 3-5 दिनों के बाद मरीज में डेंगू बुखार के लक्षण दिखने लगते हैं। शरीर में बीमारी पनपने की मियाद 3 से 10 दिनों की भी हो सकती है।

डेंगू के 3 रूप

- क्लासिकल (साधारण) डेंगू बुखार
- डेंगू हैमरेजिक बुखार
- डेंगू शॉक सिंड्रोम

इन तीनों में से दूसरे और तीसरे तरह का डेंगू सबसे ज्यादा खतरनाक होता है। साधारण डेंगू बुखार अपने आप ठीक हो जाता है और इससे जान का खतरा नहीं होता लेकिन अगर किसी को डीएचएफ या डीएसएस है और उसका फौरन इलाज शुरू नहीं किया जाता तो जान जा सकती है। इसलिए यह पहचानना सबसे जरूरी है कि बुखार साधारण डेंगू है, डीएचएफ है या डीएसएस है।

डेंगू शॉक सिंड्रोम

इस बुखार में डीएचएफ के लक्षणों के साथ-साथ 'शॉक' की अवस्था के भी कुछ लक्षण दिखाई देते हैं।

जैसे- मरीज बहुत बेचैन हो जाता है और तेज बुखार के बावजूद उसकी स्किन ठंडी महसूस होती है। मरीज धीरे-धीरे होश खोने लगता है। मरीज की नाड़ी कभी तेज और कभी धीरे चलने लगती है। उसका ब्लडप्रेशर एकदम लो हो जाता है।

लक्षण क्या-क्या साधारण डेंगू बुखार

ठंड लगने के बाद अचानक तेज बुखार। -सिर, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द -आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होना, जो आंखों को दबाने या हिलाने से और बढ़ जाता है। बहुत ज्यादा कमजोरी लगना, भूख न लगना और जी मिचलाना। गले में हल्का-सा दर्द होना। शरीर खासकर चेहरे, गर्दन और छाती पर, लाल-गुलाबी रंग के रैशेज। क्लासिकल साधारण डेंगू बुखार करीब 5 से 7 दिन तक रहता है और मरीज ठीक हो जाता है। ज्यादातर मामलों में इसी किस्म का डेंगू बुखार होता है।

डेंगू हॅमरेजिक बुखार

नाक और मसूढ़ों से खून आना। शौच या उलटी में खून आना। स्किन पर गहरे नीले-काले रंग के छोटे या बड़े रैशेज पड़ जाना। साधारण डेंगू बुखार के लक्षणों के साथ ये लक्षण भी दिखाई दें तो वह डीएचएफ हो सकता है। ब्लड टेस्ट से इसका पता लग सकता है।

इलाज

अगर मरीज को साधारण डेंगू बुखार है तो उसका इलाज व देखभाल घर पर की जा सकती है। अगर बुखार 102 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा है तो मरीज के शरीर पर पानी की पट्टियां रखें। सामान्य रूप से खाना देना जारी रखें। बुखार की हालत में शरीर को और ज्यादा खाने की जरूरत होती है। मरीज में DSS या DHF का एक भी लक्षण दिखाई दे तो उसे जल्दी-से-जल्दी डॉक्टर के पास ले जाएं। DSS और DHF बुखार में प्लेटलेट्स कम हो जाते हैं, जिससे शरीर के जरूरी हिस्से प्रभावित हो सकते हैं। डेंगू बुखार के हर मरीज को प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत नहीं होती, सिर्फ डेंगू हैमरेजिक और डेंगू शॉक सिंड्रोम बुखार में ही जरूरत पड़ने पर प्लेटलेट्स चढ़ाई जाती हैं। अगर सही समय पर इलाज शुरू कर दिया जाए तो DSS और DHF का पूरा इलाज मुमकिन है। इलाज कराने और हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद मरीज को थोड़ी कमजोरी रहती है, जो 10 दिन में ठीक हो जाती है। पूरी तरह स्वस्थ होने में मरीज को 10 दिन लगते हैं।

एलोपैथी में इलाज

इसकी दवाई लक्षण देखकर और प्लेटलेट्स का ब्लड टेस्ट कराने के बाद ही दी जाती है।

आयुर्वेद: आयुर्वेद में इसकी कोई पेटेंट दवा नहीं है, लेकिन डेंगू न हो, इसके लिए यह नुस्खा अपना सकते हैं। एक कप पानी में एक चम्मच गिलोय का रस (अगर इसकी डंडी मिलती है तो चार इंच की डंडी लें), दो काली मिर्च, तुलसी के पांच पत्ते और अदरक मिलाकर पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं और 5 दिन तक लें। दिन में दो बार, सुबह नाश्ते के बाद और रात में डिनर से पहले लें।

कौन-से टेस्ट

अगर तेज बुखार हो, जॉइंट्स में तेज दर्द हो या शरीर पर रैशेज हों तो पहले दिन ही डेंगू का टेस्ट कराएं। लक्षण नहीं हैं, पर तेज बुखार है तो भी एक-दो दिन बाद फिजिशन के पास जाएं। शक होने पर डॉक्टर डेंगू की जांच कराएगा। डेंगू की जांच के लिए शुरुआत में एंटिजन ब्लड टेस्ट किया जाता है। इस टेस्ट में डेंगू शुरू में ज्यादा पॉजिटिव आता है, जबकि बाद में धीरे-धीरे पॉजिटिविटी कम होने लगती है। अगर तीन-चार दिन के बाद टेस्ट कराते हैं तो एंटिबॉडी टेस्ट (डेंगू सिरॉलजी) कराना बेहतर है। डेंगू की जांच कराते हुए वाइट ब्लड सेल्स का टोटल काउंट और अलग-अलग काउंट करा लेना चाहिए। इस टेस्ट में प्लेटलेट्स की संख्या पता चल जाती है।

बुखार कब जानलेवा

सभी बुखार जानलेवा या बहुत खतरनाक नहीं होते, लेकिन अगर डेंगू में हैमरेजिक बुखार या डेंगू शॉक सिंड्रोम हो जाए, मलेरिया दिमाग को चढ़ जाए, टायफायड का सही इलाज न हो, प्रेग्नेंसी में वायरल हेपटाइटिस या मेंनिंजाइटिस हो जाए तो खतरनाक साबित हो सकते हैं। बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है इसलिए बीमारी उन्हें जल्दी जकड़ लेती है। ऐसे में उनकी बीमारी को नजरअंदाज न करें। खुले में ज्यादा रहते हैं इसलिए इन्फेक्शन होने और मच्छरों से काटे जाने का खतरा उनमें ज्यादा होता है। बच्चों को घर से बाहर पूरे कपड़े और जूते पहनाकर भेजें। मच्छरों के मौसम में बच्चों को निकर व टी-शर्ट न पहनाएं। रात में मच्छर भगाने की क्रीम लगाएं। बच्चा बहुत ज्यादा रो रहा हो, लगातार सोए जा रहा हो, बेचैन हो, उसे तेज बुखार हो, शरीर पर रैशेज हों, उलटी हो या इनमें से कोई भी लक्षण हो तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं।

ताकि चलती रहे कामकाजी जिंदगी

हर समय घर-दफ्तर की भागदौड़ और इससे तालमेल बैठाने की कोशिश करते आप..मानो पूरा जीवन ही मशीनी हो गया है। पर यह मशीन लंबे समय तक साथ देती रहे, इसके लिए जरूरी है नियमित व्यायाम। वैसे ही जैसे आप दूसरे सब काम करते हैं। 15 मिनट का समय निकाल कर कौन से आसन जरूर करें। कामकाजी लोगों के पास समय की बड़ी कमी होती है। व्यायाम न कर पाने के सौ बहाने हमेशा तैयार रहते हैं। यूं भी सेहत के प्रति लापरवाह नजरिया हम भारतीयों में आसानी से देखने को मिलता है। सारा दिन कंप्यूटर, कुर्सी, टेबल, फोन तथा घर-ऑफिस के कामों में ही बीत जाता है। न चैन से भोजन करना, न चैन से सोना। यही कारण है कि अधिकांश युवा व कामकाजी वर्ग कम उम्र में ही उच्च व निम्न रक्तचाप, मधुमेह, मोटापे, स्लिप डिस्क, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, उदर रोग, अपचन, वायु रोग, मानसिक तनाव, जोड़ों में दर्द तथा थकावट का शिकार हो रहा है। आधुनिक चिकित्सा के पास मनुष्य को संपूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन तथा पूर्ण कार्यक्षम बनाने की कोई दवा नहीं है। योग के निरंतर तथा नियमित अभ्यास से जरूर इसका समाधान संभव है। यहां कुछ आसान क्रियाएं दी जा रही हैं, जिनके लिए घर व ऑफिस में कुछ समय निकाल कर अपनी कामकाजी जिंदगी को दीर्घायु बना सकते हैं..

1. ऑफिस में कुर्सी पर बैठ कर करने वाली यौगिक क्रियाएं

2. घर/ ऑफिस में एकांत में की जाने वाली यौगिक क्रियाएं

ऑफिस में कुर्सी पर बैठ कर करने वाली यौगिक क्रियाएं

इन क्रियाओं को सूक्ष्म यौगिक क्रियाएं कहते हैं। इन्हें आप ऑफिस की कुर्सी पर बैठे-बैठे कभी भी आसानी से कर सकते हैं। ये क्रियाएं गर्दन, हाथ, पैर तथा रीढ़ के लिए अलग-अलग होती हैं। इनके अभ्यास की विधि इस प्रकार है..

गर्दन की क्रियाएं: कुर्सी पर रीढ़, गर्दन व सिर को सीधा रख कर बैठ जाएं। दो गहरी सांस लें और छोड़ें। चेहरे को पांच बार दाएं और बाएं कंधे की ओर ले जाएं। इसके बाद पांच बार आगे व पीछे की ओर सिर झुकाएं। अंत में सिर को पांच बार घड़ी की सुई की दिशा में तथा इतनी ही बार विपरीत दिशा में घुमाएं। सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की स्थिति में सिर को आगे की ओर झुकाना तथा वृत्ताकार घुमाना मना होता है।

लाभ: ऐसा करते रहने से सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस होने के खतरे से बच सकता है। **हाथ की क्रियाएं:** कुर्सी पर रीढ़, गर्दन व सिर को सीधा कर बैठें। दो गहरे सांस लें व छोड़ें। अब दाएं हाथ के कंधे को हल्का कड़ा करें, फिर ऊपरी बांह, निचली बांह, कलाई व हथेली को कड़ा करें। हाथ को 10 सेकेंड तक कड़ा रखें, फिर हथेली, कलाई, निचली व ऊपरी बांह तथा कंधे को क्रम से ढीला करें। यह क्रिया 5 बार करें। बाएं हाथ से दोहराएं। इससे शोल्डर फ्रीजिंग, कलाई व उंगलियों में दर्द की आशंका नहीं रहती। कंप्यूटर पर देर तक काम करने वालों के लिए यह अच्छी क्रिया है। **यौगिक श्वसन:** इसका अभ्यास उठते, बैठते, चलते-फिरते तथा लेटे हुए कभी भी किया जा सकता है। कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा रख कर बैठ जाएं। अब एक गहरी सांस लेकर पहले श्वास पेट में तथा उसके बाद सीने में भरें। श्वास निकालते समय पहले सीने को खाली करें। फिर पेट खाली करें। इसे 25 से 30 बार दोहराएं। **रीढ़ की क्रिया:** कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा रख कर बैठें। दो गहरी सांस लें व छोड़ें। अब दोनों हाथ की हथेलियों को सिर के पीछे रख कर धड़ को आगे, पीछे, दाएं व बाएं मोड़ें। यह क्रिया 5 बार दोहराएं। यह क्रिया रीढ़ की प्रत्येक वर्टिबा को सशक्त करती है।

पैर के लिए व्यायाम

कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। दो गहरी सांस लें व छोड़ें। इसके बाद दाएं पैर के क्रमशः नितंब, जांघ, पिंडली, एड़ी, पंजे तथा उंगलियों को हल्का, मध्यम तथा तीव्र कड़ा करें। इसके बाद उल्टी दिशा से उंगलियों से लेकर नितंब को धीरे-धीरे ढीला छोड़ दें। यह क्रिया 5 बार दोहराएं।

माइग्रेन: कैसे पाएं चैन...

क्या आपको अचानक सिर के किसी एक हिस्से में बेहद दर्द होता है, जो झकझोर के रख देता है? क्या इस कारण रोजमर्रा के कामों को करने में परेशानी होती है? ऐसा लगता है, मानो जब तक आराम न आ जाए, तब तक अंधेरे कमरे में लेटे रहें? दर्द के साथ चक्कर या उलटी की शिकायत भी होती है? यदि आपका जवाब हां हैं तो यह दर्द माइग्रेन हो सकता है। खुद से ही दर्द निवारक दवाओं द्वारा इसे रोकने से बेहतर है कि आप तुरंत किसी डॉक्टर से संपर्क करें। पिछले कुछ समय में किशोरों व युवाओं में इसके मामले तेजी से बढ़े हैं।

तेज रफ्तार जिंदगी व अस्वस्थ जीवनशैली के कारण आज सिरदर्द की समस्या आम हो गई है। लंबे समय तक चलने वाला सिरदर्द आगे चल कर माइग्रेन का रूप धारण कर लेता है। माइग्रेन का दर्द कुछ घंटे से लेकर कई दिनों तक रह सकता है। पहले माना जाता था कि माइग्रेन मस्तिष्क की रक्त नलिकाओं के फैलने और सिकुड़ने के कारण होता है, लेकिन कई अनुसंधानों में यह बात सामने आई है कि माइग्रेन केंद्रीय तंत्रिका तंत्र की गड़बड़ी के कारण होता है, जिससे न्यूरोट्रांसमीटर्स का संचरण प्रभावित होता है, विशेष रूप से सेरोटोनिन हार्मोन में असंतुलन उत्पन्न हो जाता है।

महिलाएं हैं आसान शिकार

बचपन में सिरदर्द लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक होता है, लेकिन किशोरावस्था में पहुंचते ही लड़कियों में सिरदर्द की समस्या लड़कों के मुकाबले ज्यादा होती है। महिलाओं में माइग्रेन की समस्या पुरुषों के मुकाबले तीन गुना ज्यादा होती है। उम्र के साथ यह समस्या बढ़ती जाती है। महिलाओं में पीरियड्स, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोन परिवर्तनों का माइग्रेन से सीधा संबंध है। गर्भनिरोधक दवाओं का सेवन भी माइग्रेन के खतरे को बढ़ा देता है।

सर्विकोजेनिक हेडेक: सर्विकोजेनिक हेडेक क्रॉनिक हेडेक का सबसे सामान्यकारण है। इसकी उत्पत्ति सर्वाइकल स्पाइन से होती है। यह केवल एक ओर होता है। बहुत कम मामलों में ही देखा जाता है कि यह मस्तिष्क की मध्य रेखा को पार करता है। गर्दन का पॉश्चर या गति ठीक नहीं रखने से यह और गंभीर हो जाता है। कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों में यह अक्सर देखा जाता है। अगर कंप्यूटर की स्क्रीन अधिक ऊंची है, तब गर्दन को ऊंचा करके देखना पड़ता है, जिससे सिरदर्द हो जाता है। गंभीर सर्विकोजेनिक हेडेक में ऑपरेशन की आवश्यकता भी पड़ सकती है।

सर्विकल स्पॉन्डिलोसिस: यह उम्र से संबंधित समस्या है, जो गर्दन के जोड़ों को प्रभावित करती है। सर्विकल स्पॉन्डिलोसिस सर्विकल स्पाइन की उपस्थितियों और हड्डियों में टूट-फूट के कारण होता है। इसे नेक अर्थराइटिस भी कहते हैं। यह 90त्न उन लोगों में होता है, जिनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक होती है। यह गर्दन में लगी किसी चोट या आनुवंशिक कारणों से हो सकता है। इसके कारण सिरदर्द भी होता है।

माइग्रेन के प्रकार

माइग्रेन के दो प्रकार होते हैं, क्लासिकल और नॉन क्लासिकल। जब माइग्रेन का दर्द ऑरा यानी दृष्टि संबंधी गड़बड़ी के बाद शुरू होता है, तब इसे क्लासिकल माइग्रेन कहते हैं। क्लासिकल माइग्रेन में आमतौर पर सिरदर्द के 10-15 मिनट पहले ऑरा के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। जब सिरदर्द बिना 'ऑरा' और दूसरे लक्षणों के साथ शुरू होता है, तब इसे नॉन क्लासिकल या सामान्य माइग्रेन कहते हैं। सामान्य माइग्रेन बच्चों और किशोरों में अधिक होता है। माइग्रेन के जो कुल मामले देखे जाते हैं, उनमें से 70 से 85 प्रतिशत सामान्य माइग्रेन और 15 से 30 प्रतिशत क्लासिकल माइग्रेन वाले होते हैं। छोटे बच्चों में माइग्रेन के दौरे शाम को पड़ते हैं।

माइग्रेन के ट्रिगर

वैसे माइग्रेन के वास्तविक कारणों का पता नहीं है, पर देखा जाता है कि माइग्रेन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होता है। मनोवैज्ञानिक समस्याएं जैसे उत्तेजना और गहरा अवसाद या न्यूरॉटिक डिसऑर्डर जैसे पक्षाघात और मिरगी भी माइग्रेन के खतरे को बढ़ा देते हैं।

कुछ अन्य ट्रिगर भी निम्न हैं..

तनाव और नींद की कमी। हार्मोंस में बदलाव विशेषकर महिलाओं में। सामान्य खान-पान की शैली में बदलाव। शुगर का स्तर कम हो जाना। कैफीन और अल्कोहल का सेवन। मौसम में बदलाव। गर्भनिरोधक गोलियां और अस्थमा का उपचार। यात्रा करना। कुछ खाद्य पदार्थ जैसे चॉकलेट, मांस, नूडल्स, बीयर, रेड वाइन आदि। शारीरिक क्षमता से अधिक कार्य या एक्सरसाइज करना। पूरी नींद ना लेना या रात में देर तक जागना या बहुत ज्यादा सोना। डीहाइड्रेशन।

लक्षण

माइग्रेन के लक्षण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बदलते रहते हैं, बच्चों में यह सिर के अगले भाग और दोनों तरफ के हिस्सों को प्रभावित करता है। किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था में दर्द सिर के एक हिस्से को प्रभावित करता है। माइग्रेन के सामान्य लक्षण इस प्रकार हैं.. तेज सिरदर्द के साथ चक्कर आना, जी मिचलाना, उल्टी होना या पेट दर्द। रोशनी और आवाजों के प्रति संवेदनशीलता। मस्तिष्क के एक भाग में धुक-धुक की आवाज के साथ तेज दर्द होना। ध्यान केंद्रित करने में समस्या होना। सोचने की क्षमता प्रभावित होना। कभी-कभी बोलते समय उपयुक्त शब्द की तलाश न कर पाना। त्वचा का पीला पड़ जाना। चक्कर आना। उल्टी होना या पेट दर्द।

टीजर के साथ 'तुम्बाड़ 2' का हुआ ऐलान...

मुंबई। बड़े पर्दे पर छह साल बाद रिलीज हुई तुम्बाड़ ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म ने पहले दिन करीना कपूर की नई फिल्म द बकिंघम मर्डर्स से ज्यादा कमाई कर दिग्गजों को भी चौंका दिया। इस फिल्म को मिल रहे बेशुमार प्यार फिल्म के निर्माता भी काफी ज्यादा खुश हैं। टिकट खिड़की पर शानदार ओपनिंग लेने वाले इस फिल्म के निर्माताओं ने अब तुम्बाड़ 2 का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। हाल ही में सोहम शाह फिल्म्स ने फिल्म के सीक्वल की एक झलक फैंस के साथ साझा की है।

लाइफ Style

राधिका

ऑडिशन देने के बाद बीमार हो गई थीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राधिका मदान ने टीवी के बाद बॉलीवुड का रुख किया और अभिनेत्री का यह फैसला काफी सफल भी साबित हुआ। 'अंग्रेजी मीडियम' में अपनी भूमिका से शोहरत पाने वाली राधिका ने उस समय को याद किया, जब उन्होंने धर्मा प्रोडक्शंस की 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के लिए अपना सबसे खराब ऑडिशन दिया था।

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उसके बाद उनकी तबीयत भी खराब हो गई थी। राधिका ने हाल ही में, फिल्मफेयर को बताया, 'मुझे एक बहुत बड़ा ऑडिशन मिला। यह 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के लिए था। मैंने खुद को बहुत ज्यादा तैयार किया। मैं इतनी तैयारी कर रही थी कि यह दो पेज का सीन भी नहीं था, मैंने इसे नींद में भी पढ़ा। मैंने खुद को इतना तैयार किया कि ऑडिशन से पहले ही मैं बीमार हो गई। मुझे बुखार था, मुझे सर्दी थी और मैंने अपनी जिंदगी का सबसे बुरा ऑडिशन दिया। मैं बहुत चिंतित थी। फिर ऑडिशन देने के बाद मेरी हालत और खराब हो गई।' यह अनुभव राधिका के लिए एक टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्हें एहसास हुआ कि उनकी चिंता उन्हें पीछे खींच रही है और उन्होंने एक नया विजन अपनाने का फैसला किया। राधिका ने कहा, 'उस दिन मैंने खुद से वादा किया कि मैं कभी भी इस तरह महसूस नहीं करूंगी। मैं अपने जीवन में असमंजस में नहीं रहना चाहती और इतनी चिंता महसूस नहीं करना चाहती हूं।' राधिका की नई सोच ने उन्हें विशाल भारद्वाज की 'पटाखा' में सान्या मल्होत्रा के साथ भूमिका निभाने में मदद की।

हॉलीवुड मसाला

लगता था कभी प्रसिद्ध नहीं होंगी

लॉस एंजिल्स। लेडी गागा संगीत की दुनिया के तमाम बड़े नामों में से एक हैं। गागा आज पूरी दुनिया में मशहूर हैं, लेकिन जब वो कॉलेज में पढ़ा करती थी तो उनके साथ पढ़ने वाले कुछ लोगों को लगता था कि वो कभी प्रसिद्ध नहीं हो पाएगी। आपको जानकर हैरानी होगी कि इसके लिए उन्होंने बाकायदा एक फेसबुक ग्रुप भी बना रखा था। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में लेडी गागा के दोस्तों ने 'स्टेफनी जर्मनोटा, तुम कभी प्रसिद्ध नहीं होंगी' नाम से एक फेसबुक ग्रुप बना रखा था।

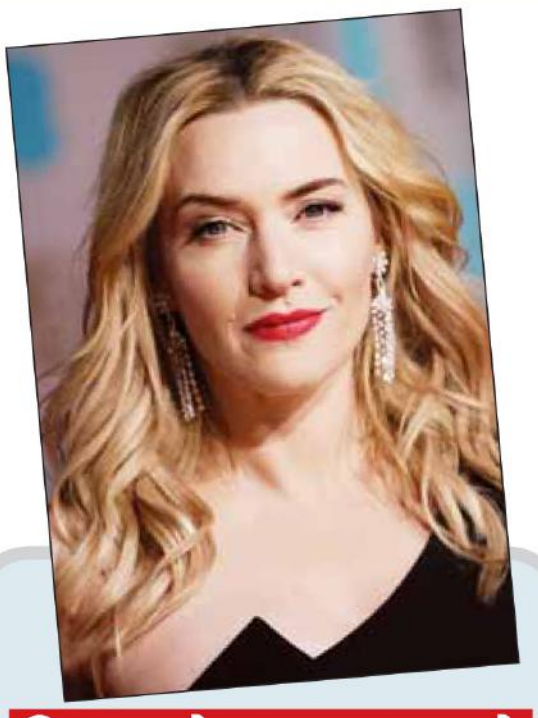

फिल्म में असल रूप में दिखना चाहती हैं केट

लॉस एंजिल्स। केट विंसलेट इन दिनों 'ली' को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने अपनी आगामी बायोपिक ली में मशहूर फोटो जर्नलिस्ट ली मिलर की भूमिका के बारे में बात की है। इस फिल्म में उन्होंने खुद के अधिक प्राकृतिक किरदार को अपनाया है। उनका कहना है कि उन्होंने फिल्म के लिए अपने रूप में ज्यादा बदलाव नहीं किए। 'ली' में विंसलेट द्वितीय विश्व युद्ध की फोटोग्राफर की भूमिका निभा रही हैं। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसे उन्होंने अपनी शारीरिक बनावट में कोई बदलाव किए बिना चुना। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर इस भूमिका के लिए व्यायाम करना बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि यह मेरे चेहरे पर ये झुर्रियां मेरी जिंदगी है और यह मायने रखता है। मुझे इसे छिपाने का ख्याल नहीं आया।

'120 बहादुर' की शूटिंग की फोटो की पोस्ट

मुंबई। डायरेक्टर, राइटर, प्रोड्यूसर फरहान अख्तर तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। वह अपनी आगामी फिल्म 120 बहादुर में मेजर शैतान सिंह का किरदार निभाने वाले हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शूटिंग के दौरान अपनी कुछ बीटीएस फोटोज शेयर की हैं। शूटिंग के दौरान दिखाए जा रहे अपने काम के बाद फरहान की फिल्म को लेकर उनके प्रशंसक और भी उत्साहित हो गए हैं। फरहान अख्तर ने 14 सितंबर को सोशल मीडिया पर फिल्म के बीटीएस की झलक शेयर की है। इस फोटो में फरहान अख्तर की फिल्म की क्रू काम कर रही है। यह शूटिंग लद्दाख में हो रही है। फरहान अख्तर ने हाल ही में सोशल मीडिया से अपनी फिल्म 120 बहादुर का पोस्टर शेयर किया था। 'वो तीन थे... और हम? 120 बहादुर।' इस फिल्म को रजनीश घई निर्देशित कर रहे हैं।

मल्टी-स्टारर फिल्मों का दिया कॉन्सेप्ट

नई दिल्ली। भारतीय फिल्म उद्योग में राजकुमार कोहली एक ऐसा नाम है, जो अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। एक सफल फिल्म निर्माता और निर्देशक, जिन्होंने करियर में कई ऐसी फिल्में दी, जो आज भी दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाए हुए हैं। कोहली ने 1970 और 80 के दशक में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी और बॉलीवुड में अपनी खास जगह बनाई. उन्होंने बॉलीवुड को 'नागिन', 'जानी दुश्मन', 'नौकर बीवी का' और 'कुर्बानी' जैसी दमदार फिल्में देने वाले राजकुमार कोहली ने मल्टी स्टारर फिल्में पेश की। जबकि उन्हें हॉरर फिल्मों का कॉन्सेप्ट पेश करने के लिए भी जाना जाता है। इस कॉन्सेप्ट पर बॉलीवुड में कई फिल्में बनी थीं. उनकी फिल्मों की खासियत गाने और डायलॉग होते थे, जो आज भी लोगों को याद हैं।

टीवी मसाला

बेटे के करियर के सवाल पर बोले सैफ- 'उन्हें मेरी नहीं आमिर की बात सुननी चाहिए...'

नई दिल्ली। कॉमेडियन कपिल शर्मा अपने शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो का दूसरा सीजन' लेकर आ रहे हैं। शनिवार को इस शो का ट्रेलर भी जारी हुआ। ट्रेलर में शो का हिस्सा बनने वाले मेहमानों की झलक दिखी, जिसमें आलिया भट्ट, करण जौहर, जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान, जान्हवी कपूर, रोहित शर्मा जैसे सुपरस्टार शामिल हैं। ट्रेलर में कई एपिसोड्स के मजेदार क्लिप दिखाए गए। इस दौरान कपिल शर्मा को मेहमानों के साथ हंसी-मजाक करते हुए देखा गया। ट्रेलर में देखा गया कि बॉलीवुड की हस्तियां अपनी आगामी फिल्मों का प्रमोशन कर रही हैं। ट्रेलर के अंत में कपिल शर्मा को सैफ अली खान के साथ बातचीत करते हुए देखा जा सकता है। वह कहते हैं, 'पहले आमिर खान हमारे शो में आए थे, उन्होंने कहा था, 'मेरे बच्चे मेरी बात नहीं सुनते'। अब, मुझे लगता है कि आपके बेटे इब्राहिम अली खान अभिनय में डेब्यू करने वाले हैं, क्या वह आपकी बात सुनते हैं?' इस पर सैफ अली खान जवाब देते हैं, 'मुझे लगता है कि उन्हें आमिर खान की बात सुननी चाहिए।' कपिल शर्मा का शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' 21 सितंबर से नेफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। कुछ दिनों पहले इसका एक टीजर जारी हुआ था, जिसमें शनिवार को फनिवार बनाने का दावा किया गया था।

निक्की पर फूटा लीजा का गुस्सा कहा- उन्हें सब पता है फिर भी

नई दिल्ली। बिग बॉस मराठी सीजन 5' के प्रतियोगी अरबाज पटेल शो का हिस्सा बनने के बाद से ही लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। वह अभिनेत्री निक्की तंबोली के साथ अपनी नजदीकियों को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में शो के होस्ट रितेश देशमुख ने अरबाज को उनकी निक्की से बढ़ती नजदीकियों के चलते फटकार भी लगाई थी। इन सभी चीजों के चलते वह शो के सबसे विवादित प्रतियोगी बन गए हैं। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में दावा किया है कि वह 'कभी ब्रेकअप नहीं करेंगी'और 'शो' कभी भी रिश्ता तोड़ने का कारण नहीं हो सकता। लीजा ने निक्की को उनके व्यवहार के लिए भी खरी-खोटी सुनाई और कहा कि अरबाज के रिलेशनशिप में होने की जानकारी होने के बावजूद भी वह अरबाज से दूरी नहीं बनाती।

एक्टर की पत्नी को दिल पर रखना पड़ता है पत्थर : सुनीता

नई दिल्ली। गोविंदा एक समय पर बॉलीवुड के स्टार रहे हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। हालांकि काफी समय से वह पर्दे से दूर हैं। बता दें कि गोविंदा की फीमेल फैन फॉलोइंग भी काफी जबरदस्त रही है। अब एक्टर की पत्नी सुनीता ने एक्टर को मिलती फीमेल अटेंशन पर बात की। सुनीता ने बताया कि क्या उन्हें इससे फर्क पड़ता है कि नहीं। सुनीता का कहना है कि एक्टर की पत्नी होने के लिए बहुत सिक्योरिटी चाहिए होती है। दरअसल, सुनीता हाल ही में टाइमाउट विद अंदित के शो में नजर आईं और कहा, हीरो की पत्नी होना, आपको दिल में इतना बड़ा पत्थर रखना पड़ेगा या तो आप शादी ना करो हीरो से। सुनीता का कहना है कि फीमेल अटेंशन से उन्हें फर्क नहीं पड़ा है, क्योंकि हर रात गोविंदा घर ही आते थे। उन्होंने कहा, 'मुझे फर्क नहीं पड़ता। आपको खुद पर कॉन्फिडेंस रखना चाहिए। अभी आदमी है वो, आप ऐसा नहीं बोल सकते गाय है कोई आदमी। होता होगा। ठीक है ना, घूम फिर के रात को घर ही आ जाता है न।'

भारतीय सिनेमा का इकलौता सुपरस्टार जिसने 900 फिल्मों में किया काम...

नई दिल्ली। अक्सर फिल्म स्टार्स के बारे में कुछ फिगर्स डिक्लेयर किए जाते हैं, जिसमें बताया जाता है कि उन्होंने एक साल में कितनी फिल्मों में काम किया या ताउम्र कितनी फिल्मों में सक्रिय रहे। जैसे अक्षय कुमार के लिए कहा जाता है कि वो एक दौर में साल में सबसे ज्यादा फिल्म करने वाले स्टार थे। लेकिन वो कभी एक हीरो का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सके। इस हीरो ने सौ या दो सौ नहीं, बल्कि अपने पूरे करियर में करीब 900 फिल्मों में काम किया था। इन 900 फिल्मों में से 700 फिल्में ऐसी थीं जिसमें वो लीड रोल में दिखे। चालीस फिल्मों में उन्होंने डबल रोल भी किए।

साउथ के फिल्मों से बने सुपरस्टार : हम जिस एक्टर का यहां जिक्र कर रहे हैं उस एक्टर का नाम है प्रेम नजीर। प्रेम नजीर ने साउथ इंडियन फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके नाम सबसे बड़ा रिकॉर्ड दर्ज है एक साल में रिलीज हुई फिल्मों का। कुछ साल ऐसे रहे जब प्रेम नजीर की 39-39 फिल्में रिलीज हुई हैं। मलयालम इंडस्ट्री को पूरी दुनिया में पहचान दिलाने का क्रेडिट भी उन्हें ही दिया जाता है। ज्यादा फिल्में करने का असर कभी उनकी एक्टिंग पर नहीं पड़ा। कहा जाता है कि वो इतनी रियलिस्टिक एक्टिंग करते थे कि फिल्म मेकर्स भी हैरान रह जाते थे।

इस फिल्म से किया डेब्यू

प्रेम नजीर ने अपने पूरे फिल्मी करियर में 40 फिल्मों में डबल और ट्रिपल रोल भी किया। इस दौरान उन्होंने 85 हीरोइन्स के साथ स्क्रीन शेयर की। उनकी पहली फिल्म साल 1952 में रिलीज हुई थी, जिसका नाम था मरूमकल। इसके बाद उनकी फिल्म विसाप्पिंटे विली रिलीज हुई, जिसने उन्हें घर-घर में फेमस बना दिया। आपको बता दें कि प्रेम नजीर का असली नाम अब्दुल खादिर था। लेकिन, फिल्मी दुनिया में उन्हें प्रेम नजीर के नाम से पहचान मिली और फैन्स का प्यार भी।

इन फिल्मों ने इस कदर खौफ पैदा किया कि कोई हुआ बेहोश तो किसी को हुई उल्टियां

रूह कंपाने वाली दुनिया की सबसे डरावनी भूतिया फिल्में, जिन्हें किया गया बैन

मुंबई। इन दिनों सिनेमाघरों में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म 'स्त्री 2' का खूब नशा लोगों पर चढ़ा दिख रहा है। इस हॉरर कॉमेडी ने लोगों में भूतों को लेकर थोड़ा प्यार भी जगा दिया है। सरकटा के लिए नहीं तो कम से कम 'स्त्री 2' में स्त्री को देखकर तो आपको भी ये लगने लगा होगा। लेकिन हम यहां न 'स्त्री' की कहानी बताने जा रहे हैं और न ही 'सरकटे' की। यहां हम किस्सा लेकर आए हैं उन भूतिया फिल्मों की जो इतनी ज्यादा डरावनी और भयानक निकली कि बाद में इसे बैन तक कर दिया गया। इन फिल्मों में से एक भूतिया फिल्म ने इस कदर दर्शकों के बीच खौफ पैदा किया कि कहते हैं कि उसे 46 देशों में बैन करना पड़ा। ऐसी फिल्मों को देखने के शौकीन हैं या फिर ऐसी किस्से-कहानियां पसंद करते हैं तो आइए, आज 'फिल्मी फ्राइडे' आपको ऐसी ही फिल्मों के सफर पर लेकर चलते हैं, जिसने लोगों की धड़कनें बढ़ा दी।

दुनिया की सबसे डरावनी फिल्म 'द एग्जॉरसिस्ट' : आज से 51 साल पहले विलियम फ्रेइडकिन के निर्देशन में बनी ये फिल्म 'द एग्जॉरसिस्ट' दुनिया की सबसे डरावनी फिल्म कही जाती है। साल 1973 में रिलीज हुई 'द एग्जॉरसिस्ट' लोगों को डराने में इतनी कामयाब रही कि बस देखने वालों की रूह कांप जाए। ये फिल्म किस हद तक लोगों के दिल और दिमाग को झकझोर सकती है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके ट्रेलर को भी बैन कर दिया गया था। यह फिल्म एक छोटी लड़की पर भूत-प्रेत के साए की कहानी है, जिसके लिए उसकी मां दो कैथोलिक पादरियों की मदद लेती हैं, ताकि अपनी बेटी को वो भूतों से बचा सके।

इन दुर्घटनाओं की वजह से ये माना जाने लगा कि ये फिल्म अभिशप्त है : कहते हैं कि इस फिल्म के लिए कलाकारों की कास्टिंग में काफी दिक्कत आई। कहते हैं कि इस फिल्म की शूटिंग में काफी दिक्कतें आईं, जिसे रेगिस्तान और ठंडे सेट पर फिल्माया गया। बताते हैं कि इस शूटिंग के दौरान कई कलाकार और क्रू घायल हो गए, कुछ की मौत हो गई और ऐसी असामान्य दुर्घटनाओं की वजह से फिल्म की शूटिंग में तय समय से डबल लगा और शुरुआती बजट से तीन गुना अधिक बजट खर्च हुआ। शूटिंग के दौरान हुई इन दुर्घटनाओं को लेकर ये माना जाने लगा कि ये फिल्म अभिशप्त है।

'फेस ऑफ डेथ' को करीब 46 देशों में किया गया बैन

बताया जाता है कि इस फिल्म में ऐसे खतरनाक विजुअल थे कि 'फेस ऑफ डेथ' को कई देशों में बैन और सेंसर किया गया था। कहते हैं कि फिल्म को करीब 46 देशों में बैन किया गया। हालांकि, इस क्लेम को लेकर कुछ कन्फर्म खबर नहीं है। इसके अलावा यूके में इस फिल्म पर केस किया गया और इसे **Obscene Publications Act** 1959 का उल्लंघन माना गया था। हालांकि, साल 2003 में इस फिल्म को यूके में डीवीडी पर रिलीज करने की अनुमति दी गई थी, लेकिन इसी के साथ ब्रिटिश बोर्ड ऑफ फिल्म क्लासिफिकेशन (बीबीएफसी) ने सिनेमैटोग्राफ फिल्म्स (एनिमल्स एक्ट) 1937 और बीबीएफसी दिशानिर्देशों के मुताबिक, इसमें दिखाए गए कुत्तों और बंदरों के साथ बेरहमी वाले दृश्यों को हटाने के लिए कहा। इसके बाद इसमें से 2 मिनट और 19 सेकंड का हिस्सा हटाया गया।

कुछ लोग बेहोश हो गए और कुछ को वॉमिट होने लगा : इसे 26 दिसंबर 1973 को अमेरिका के करीब 25 थिएटरों में रिलीज किया गया। फिल्म को लेकर मिक्स्ड रिव्यूज आए और लोगों ने भरी ठंड में लंबी लाइन लगाकर इसे देखने का इंतजार किया। बताया जाता है कि इस फिल्म को देखने के दौरान कुछ दर्शकों की तबीयत बिगड़ने लगी। उनमें से कुछ बेहोश हो गए और वॉमिट होने लगा। कुछ लोगों के साथ सेरेब्रल एंजियोग्राफी की समस्या होने लगी। बच्चे ये फिल्म न देखें इसके लिए कई शहरों ने इस फिल्म को बैन करने की भी कोशिश की। कई जगहों पर इस फिल्म को क्रिश्चियन धर्म के फेवर में प्रोपेगैंडा बताकर भी इसे बैन किया गया।

'फेसेस ऑफ डेथ' : जॉन एलन श्वार्टज द्वारा निर्देशित फिल्म 'फेसेस ऑफ डेथ' को लेकर कहते हैं कि ये इतनी अधिक डरावनी फिल्म है जिसे अकेले देख पाना किसी के लिए भी बहुत मुश्किल है। साल 1978 में आई इस फिल्म में कई ऐसे सीन हैं, जो लोगों को विचलित कर सकते हैं। कहते हैं कि इस फिल्म को बाद में 46 देशों में बैन कर दिया गया था।

खबर संक्षेप

आयात शुल्क में वृद्धि से तेल-तिलहन में सुधार

नई दिल्ली। सरकर द्वारा बीते सप्ताह खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि किये जाने के बाद देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम सुधार दर्शाते बंद हुए। वहीं दाम ऊंचा रहने के कारण कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई।

एनएक्सपी भारत में करेगी एक अरब डॉलर का निवेश

ग्रेटर नोएडा। एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स अगले कुछ वर्षों में भारत में अपनी अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को दोगुना करने के लिए एक अरब डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रही है। अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कर्ट सीवर्स ने सेमीकॉन इंडिया 2024 में कहा कि कंपनी पूरे उद्योग के साथ जुड़ रही है।

पूंजीकरण में सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 2,01,552.69 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,707.01 अंक या 2.10 प्रतिशत के लाभ में रहा।

एनटीपीसी ने 3,151 करोड़ रुपए का अंतिम लाभांश दिया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी लि. ने शेयरधारकों को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 3,151 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश दिया। कंपनी की चुकता शेयर पूंजी का 32.50 प्रतिशत है। इससे पहले कंपनी ने नवंबर, 2023 में 2,182 करोड़ रुपये का पहला और फरवरी, 2024 में 2,182 करोड़ रुपये का दूसरा अंतरिम लाभांश दिया था।

ओएनजीसी ने अरुणांगशु को किया निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) को अपने नए ऊर्जा, पेट्रोरसायन और कॉरपोरेट रणनीति विभाग के लिए नया निदेशक मिल गया है। यह कदम कंपनी में नयी जान फूंकने के लिए बोर्ड में किए जा रहे फेरबदल का हिस्सा है। कॉरपोरेट मामलों के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

नायरा एनर्जी के घरेलू ईंधन बिक्री में 14 फीसदी इजाफा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी की ईंधन बिक्री 2024 के कैलेंडर साल की दूसरी तिमाही में 14.3 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, इस दौरान कंपनी का निर्यात घटा है। गुजरात में अपनी वाडिनार तेल रिफाइनरी में उत्पादित समस्त डीजल का 75 प्रतिशत स्थानीय बाजार में बेचा। 60 प्रतिशत पेट्रोल की बिक्री भारतीय बाजार में हुई। नायरा एनर्जी ने अपने ईंधन खुदरा नेटवर्क को रणनीतिक रूप से कम पहुंच वाले बाजारों तक विस्तारित करते हुए अपने घरेलू कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाया है।

अमेजन-फ्लिपकार्ट नियमों को दिखा रहे ठेंगा, मोबाइल कंपनियों से मिलीभगत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन और फ्लिपकार्ट पर सैमसंग, शाओमी और दूसरी कई स्मार्टफोन कंपनियों पर मिलीभगत का आरोप लगा है। यह आरोप भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की ओर से लगाया गया है।

- ई-कॉमर्स कंपनियों ने मिलकर वेबसाइट पर लांच किया एक्सक्लूसिक प्रोडक्ट

सीसीआई के मुताबिक इन स्मार्टफोन कंपनियों ने ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ मिलकर इनकी वेबसाइट पर एक्सक्लूसिव प्रोडक्ट लांच किए। सीसीआई ने इसे प्रतिस्पर्धा विरोधी कानूनों का उल्लंघन बताया है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने लगाया आरोप

सीसीआई की 1027 पेज की रिपोर्ट सौंपी

अमेजन पर सीसीआई की 1027 पेज की रिपोर्ट के मुताबिक 5 कंपनियों (सैमसंग, शाओमी, मोटोरोला, रियलमी और वनप्लस) की भारतीय इकाइयों ने अमेजन और इसके सहयोगियों के साथ एक्सक्लूसिव फोन लांच किए। यह प्रतिस्पर्धा कानून का उल्लंघन है। वहीं फ्लिपकार्ट के मामले में सीसीआई ने 1696 पेजों की रिपोर्ट तैयार की है। इसमें कहा गया है कि सैमसंग, शाओमी, मोटोरोला, वीवो, लेनोवो और रियलमी की भारतीय इकाइयों ने भी एक्सक्लूसिव फोन लांच किए। इस मामले में सैमसंग और शाओमी जैसी कंपनियों को शामिल करने से उनकी कानूनी और अनुपालन संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं।

लग सकता है जुर्माना : सीसीआई आने वाले हफ्तों में अमेजन, फ्लिपकार्ट, खुदरा विक्रेता संघ और स्मार्टफोन कंपनियों की ओर से अपने निष्कर्षों पर किसी भी आपत्ति की समीक्षा करेगा। ऐसे में इन ई-कॉमर्स कंपनियों पर जुर्माना लगाया जा सकता है। साथ ही कंपनियों को अपने बिजनेस और काम करने के तरीकों को बदलने के लिए भी कह सकता है।

फ्री एंड फेयर कॉम्पटीशन के खिलाफ

सीसीआई के अतिरिक्त महानिदेशक जीवी शिव प्रसाद ने अमेजन और फ्लिपकार्ट की रिपोर्ट में लिखा है एक्सक्लूसिव बिक्री न सिर्फ फ्री एंड फेयर कॉम्पटशन के खिलाफ है बल्कि उपभोक्ताओं के हित में भी नहीं है। सीसीआई ने यह भी कहा है कि दोनों ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपने विदेशी निवेश का इस्तेमाल चुनिंदा विक्रेताओं को सस्ती दरों पर वेयरहाउस और मार्केटिंग जैसी सर्विस दीं।

सीसीआई की ओर से की गई जांच में पाया गया कि अमेजन और फ्लिपकार्ट ने चुनिंदा विक्रेताओं को वरीयता देकर कुछ लिस्टिंग को प्राथमिकता दी। साथ ही प्रोडक्ट्स पर भारी छूट देकर स्थानीय प्रतिस्पर्धा कानूनों का उल्लंघन किया। इससे अन्य कंपनियों को नुकसान हुआ। इस मामले में रॉयटर्स ने सबसे पहले रिपोर्ट की है। यह रिपोर्ट 9 अगस्त की है जिसे सार्वजनिक नहीं किया गया है।

इंडियन रिटेलर्स ने भी लगाए आरोप

इंडियन रिटेलर्स ने भी इन ई-कॉमर्स कंपनियों पर आरोप लगाए हैं। इन रिटेलर्स का कहना है कि स्मार्टफोन कंपनियां इन ई-कॉमर्स वेबसाइट पर ही एक्सक्लूसिव फोन लांच कर देती हैं। ये रिटेल मार्केट में मौजूद नहीं होते।

जीओएम में राज्यों के सदस्य भी शामिल होंगे

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्री समूह के संयोजक हो सकते हैं वित्त राज्यमंत्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर काम कर रहे मंत्री समूह (जीओएम) के संयोजक हो सकते हैं। इसमें राज्यों के सदस्य भी शामिल होंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने आगे कहा कि संदर्भ की शर्तें (टीओआर) और जीओएम के सदस्यों को अंतिम रूप देने का काम जारी है। अधिकारी ने कहा, ''जीओएम को यह सुझाव देना होगा कि अहितकर और विलासिता की वस्तुओं पर एकत्रित उपकर को केंद्र और राज्यों के बीच कैसे बांटा जाएगा। साथ ही जीओएम इस बदलाव को लागू करने के लिए आवश्यक कानूनी संशोधनों पर सुझाव देगा।

उपकर केंद्र एकत्र करता है

अधिकारी ने कहा कि जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह के सदस्यों पर निर्णय की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन, चूंकि मुद्दा उपकर के संबंध में है, जो केंद्र द्वारा एकत्र किया जाता है, और इसका बंटवारा होगा, ऐसे में जीओएम में केंद्र से भी एक सदस्य होगा।

पांच साल के लिए लाया गया था

क्षतिपूर्ति उपकर को शुरुआत में राज्यों को हुए राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए पांच साल को लाया गया था। यह जून, 2022 में समाप्त हो गया था, लेकिन इससे जुटाई गई राशि का इस्तेमाल केंद्र द्वारा कोविड-19 के दौरान लिए गए कर्ज और ब्याज के 2.69 लाख करोड़ रुपये के भुगतान के लिए किया गया। जून, 2022 में केंद्र ने क्षतिपूर्ति उपकर को मार्च, 2026 तक बढ़ा दिया था। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) एक जुलाई, 2017 को लागू हुआ था।

कानून में क्या बदलाव करने की जरूरत

जीओएम क्षतिपूर्ति उपकर के भविष्य पर फैसला लेगा कि कैसे इसे केंद्र और राज्यों के बीच विभाजित किया जाए। साथ ही मंत्री समूह यह भी देखेगा कि कानून में क्या बदलाव करने की जरूरत है, क्योंकि अब इसे क्षतिपूर्ति उपकर नहीं कहा जा सकता है। मंत्री समूह यह देखेगा कि क्या इसे क्षतिपूर्ति उपकर के अलावा किसी अन्य रूप में जारी रखा जा सकता है।

- टीओआर और जीओएम के सदस्यों को अंतिम रूप देने का काम जारी
- जीओएम सुझाव देगा, एकत्रित उपकर को केंद्र व राज्यों के बीच कैसे बांटे
- जीओएम आवश्यक कानूनी संशोधनों पर सुझाव देगा

सरकार ने 2.69 लाख करोड़ का लिया था कर्ज

कोविड महामारी के वर्षों में राजस्व में कमी की भरपाई के लिए जो कर्ज लिया गया था उसके भुगतान के लिए विलासिता और अहितकर उत्पादों पर यह लगाया जाता है। सरकार ने राज्यों के राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 में 2.69 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था।

वरिष्ठ सदस्य को संयोजक बनाया जाएगा
आमतौर पर जीओएम के सबसे वरिष्ठ सदस्य को इसका संयोजक बनाया जाता है। इसलिए, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री के जीएसटी मुआवजा उपकर पर जीओएम के संयोजक होने की संभावना है। जीएसटी परिषद ने पिछले सप्ताह अपनी बैठक में मंत्रियों का एक समूह गठित करने का निर्णय लिया था जो परिषद को सुझाव देगा कि जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर कैसे आगे बढ़ा जाए।

मार्च 2026 तक बढ़ाने का निर्णय
जीएसटी परिषद ने ऋण और ब्याज चुकाने के लिए मुआवजा उपकर को मार्च, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले सप्ताह कहा था कि ऋण और ब्याज का भुगतान दिसंबर, 2025 या जनवरी, 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है।

भारत हमारे हांगकांग टर्मिनल का इस्तेमाल करे : कैथे कार्गो

एजेंसी ▶▶| हांगकांग

कैथे पैसिफिक एयरवेज की इकाई कैथे कार्गो ने कहा है कि भारतीय एयरलाइन कंपनियां विभिन्न माल ढुलाई के लिए उसके हांगकांग स्थित कार्गो टर्मिनल का उपयोग करें। उसने कहा कि इसके लिए वह एक एयरलाइन के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है।

कैथे कार्गो टर्मिनल के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) मार्क वाट्स के अनुसार, 27 लाख टन की वार्षिक क्षमता वाली यह सुविधा हांगकांग में उड़ान भरने वाली सभी एयरलाइनों के लिए खुली है। "वर्तमान में हमारे पास कोई भारतीय एयर कैरियर नहीं है, लेकिन मैं निश्चित रूप से चाहूंगा कि अधिक भारतीय एयर कैरियर कैथे कार्गो टर्मिनल का उपयोग करें। हम इस समय एक के साथ सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने उस भारतीय एयरलाइन कंपनी का नाम बताने से इनकार कर दिया, जिसके साथ बातचीत चल रही है। वाट्स ने कहा कि एक लाख वर्ग मीटर में फैली यह सुविधा अल्पावधि और मध्यम अवधि के लिए सही आकार की है/" और इसमें आगे विस्तार की गुंजाइश है। हमारी समग्र सुविधा के आकार के संदर्भ में, हम वास्तव में सोचते हैं कि हम अल्पावधि और मध्यम अवधि के लिए सही आकार के हैं... हांगकांग में सामान्य कार्गो के मामले में हमारे पास बढ़ने के लिए बहुत सारे अवसर हैं।

- यह सुविधा हांगकांग में उड़ान भरने वाली सभी एयरलाइनों के लिए खुली है
- वर्तमान में हमारे पास कोई भारतीय एयर कैरियर नहीं है

अवसर मिला तो निवेश हो सकता है

वाट्स ने हालांकि कहा, /"... मैं बस इतना ही कहूंगा कि कभी भी करेंगे, ऐसा कभी नहीं कहना चाहिए। अगर भारत या दुनिया में कहीं भी अच्छा अवसर मिलता है, जहां कैथे कार्गो टर्मिनल के लिए निवेश हो सकता है, तो हम उस पर विचार करेंगे।/"

फेड की ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी। इसके अलावा वैश्विक मोर्चे पर कई वृहद आर्थिक आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उल्लेखनीय रहा। बृहस्पतिवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए। उसी दिन बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स ने पहली बार 83,000 अंक के स्तर को पार किया। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''इस सप्ताह साल का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम होने जा रहा है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक 18 सितंबर को होगी। यह लगभग तय है कि इससे ब्याज दर में कटौती चक्र की शुरुआत होगी। अमेरिका में आम सहमति ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती को लेकर है।

- विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को देगी दिशा

फेड ब्याज दर 18 सितंबर को करेगा घोषित

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,707.01 अंक या 2.10 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 504.35 अंक या 2.02 प्रतिशत चढ़ गया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, आगे की ओर देखें, तो यह सप्ताह काफी महत्वपूर्ण है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा 18 सितंबर को होगी।

बायर खेती-बाड़ी की टिकाऊ गतिविधियों को बढ़ावा देगी...

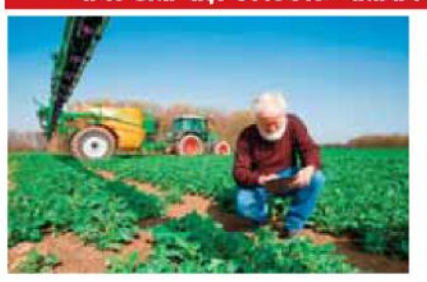

नई दिल्ली। जर्मनी की कंपनी बायर ने किसानों के बीच सहयोग, नवोन्मेष और ज्ञान साझा करने के माध्यम से पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाया है। कंपनी ने इसके तहत भारत में एक वैश्विक पहल 'फॉरवर्ड फार्मिंग' शुरू की है। बायर 'फॉरवर्ड फार्मिंग'' एक वैश्विक नेटवर्क है जिसका उद्देश्य टिकाऊ कृषि गतिविधियों को प्रदर्शित करना और बढ़ावा देना है कंपनी ने बयान में कहा कि हरियाणा के पानीपत में 18 हेक्टेयर में फैला, बायर 'फॉरवर्ड फार्म'' देश में छोटे किसानों की जरूरतों के अनुरूप नई कृषि तकनीकों का प्रदर्शन करेगा। इसमें कहा गया है कि 'फॉरवर्ड फार्म'' धान की खेतों में सीधी बुवाई फसल प्रणाली, खरपतवार प्रबंधन के नये उपाय, विशिष्ट रूप से तैयार कृषि विज्ञान प्रणाली, पोषण और जल प्रबंधन, वर्मीकम्पोस्ट, सिंचाई और ड्रोन प्रौद्योगिकी आदि पर ध्यान केंद्रित करेगा।

देश के 90 फीसदी वित्तीय संस्थान एआई पर दे रहे ध्यान : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में 90 प्रतिशत वित्तीय संस्थान नवोन्मेषण के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और सृजनात्मक एआई (जेनएआई) पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट 'भारत में फिनटेक नवाचार परिदृश्य का मानचित्रण' के अनुसार, लगभग 74 प्रतिशत लोगों में डेटा एनालिटिक्स भी प्रमुखता से उभर कर सामने आया है। यह बताता है कि वित्तीय सेवा (एफएस) क्षेत्र के भीतर अंतर्दृष्टि और निर्णय लेने में इसकी अभिन्न भूमिका है। इसमें कहा गया है कि सर्वेक्षण में बैंकों, बीमा कंपनियों और वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों सहित 31 वित्तीय संस्थानों ने भाग लिया।

- लगभग 74 प्रतिशत लोगों में डेटा एनालिटिक्स भी प्रमुखता से उभर रहे

रिपोर्ट के अनुसार, "एआई और जेनएआई भारतीय वित्तीय संस्थानों के लिए नवोन्मेषण के लिए मुख्य क्षेत्र के रूप में उभरे हैं। इसमें 90 प्रतिशत लोगों ने इन्हें नवोन्मेषण के लिए प्रमुख प्रौद्योगिकी बताया है।'' इसके अलावा, 84 प्रतिशत लोगों ने कहा कि ग्राहक अनुभव और जुड़ाव - अधिग्रहण, ऑनबोर्डिंग और सर्विसिंग नवाचार पहल के लिए प्रमुख क्षेत्र था।

भारत में ऑफलाइन ऑडियो उपकरण बाजार 5,000 करोड़ रुपए पर पहुंचा

- यह व्यक्तिगत ऑडियो खंड में 61 फीसदी सालान वृद्धि से हासिल हुआ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय ऑडियो उपकरण (सुनने वाला या श्रव्य उपकरण) बाजार में 'उल्लेखनीय वृद्धि' देखी जा रही है। शोध कंपनी जीएफके ने एक रिपोर्ट में बताया कि जून, 2024 में ऑफलाइन खुदरा बिक्री 5,000 करोड़ रुपये के वार्षिक कारोबार (एमएटी) पर पहुंच गई है। यह व्यक्तिगत ऑडियो खंड में 61 प्रतिशत की सालाना वृद्धि से हासिल हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि इमर्सिव साउंड प्रौद्योगिकियों में वृद्धि, बेहतर उपभोक्ता अनुभव और घरेलू और व्यक्तिगत, दोनों श्रेणियों में उच्च गुणवत्ता वाले ऑडियो उत्पादों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। इसके अलावा, इस श्रेणी में महंगे उपकरणों की ओर बदलाव के कारण उपभोक्ता बेहतर गुणवत्ता और इमर्सिव ऑडियो अनुभव की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे भारतीय ऑडियो उपकरण बाजार को भी मदद मिल रही है। भारतीय उपभोक्ताओं में ऑडियो उपकरणों के लिए काफी चाह है और वे सिनेमा वाला अनुभव और बेहतर सुनने की सुविधा चाहते हैं।

गुणवत्ता देख रहे उपभोक्ता

हेडफोन, हेडसेट और मिनी/ब्लूटूथ स्पीकर जेन जेड उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक हो गए हैं, जो ऑडियो अनुभवों में मजबूती, सामर्थ्य, स्टाइलिश और गुणवत्ता देख रहे हैं।"

एचडीएफसी बैंक पांच लाख सीमांत किसानों की आमदनी बढ़ाएगा

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

एचडीएफसी बैंक ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल 'परिवर्तन' के तहत 2025 तक 60,000 रुपये सालाना से कम आय वाले पांच लाख सीमांत किसानों की आमदनी बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है।

देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद एम भरूचा ने कहा, ''ग्रामीण विकास पर बैंक का ध्यान सतत विकास को बढ़ावा देने और कमजोर समुदायों के उत्थान के लिए हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'उन्होंने कहा कि 2014 में अपनी शुरुआत के बाद से 'परिवर्तन' भारत के सबसे बड़े सीएसआर कार्यक्रमों में से एक बन गया है। यह पहल 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय है। एचडीएफसी बैंक 'परिवर्तन' की शुरुआत 2014 में देशभर के समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए की गई थी। पिछले दशक में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक के सीएसआर व्यय के साथ परिवर्तन ने लगातार स्थायी आजीविका के साधन देने और सतत विकास को बढ़ावा देकर व्यक्तियों को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा है।

- बैंक परिवर्तन पहल के जरिए 2025 तक यह आमदनी बढ़ाएगा
- 60 हजार रुपए सालाना से कम आय वाले किसानों की आय बढ़ाने का लक्ष्य

दास ने सिंगापुर के एक कार्यक्रम में दी चेतावनी

बैंकों पर मंडरा रहा शॉर्टसेलर का खतरा : आरबीआई गवर्नर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि बैंकों पर शॉर्टसेलर्स का खतरा मंडरा रहा है।

- उन बैंकों को ज्यादा खतरा जिनके पास कॉमर्शियल रियल एस्टेट पोर्टफोलियो है

सिंगापुर में एक कार्यक्रम के दौरान शक्तिकांत दास ने कहा कि ज्यादा खतरा उन बैंकों को है, जिनके पास कॉमर्शियल रियल एस्टेट पोर्टफोलियो बड़ी संख्या में मौजूद है।

ऐसे में बैंकों को सावधान रहना होगा। गवर्नर ने कहा कि शॉर्टसेलिंग का शिकार होने पर निवेशकों का भरोसा बैंकों पर से डगमगा सकता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने ब्रेटन वुड्स कमेटी के फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि शॉर्टसेलर बड़े बैंकों को निशाना बनाने की फिराक में हैं। अगर ऐसा होता है तो बैंकों के सामने मुसीबत खड़ी हो जाएगी।

बैंकों को किया अलर्ट : दास ने बैंकों को अलर्ट रहने को कहा। साथ ही सलाह दी कि अगर आप रेगुलेटरी नियमों का अच्छे से पालन करेंगे तो यह न सिर्फ आपकी बैलेंस शीट बल्कि स्थायित्व के लिए भी अच्छा होगा। अगर बैंकों के पास कॉमर्शियल रियल एस्टेट पोर्टफोलियो ज्यादा है तो उन्हें फूंक-फूंक कर कदम रखने होंगे।

आर्थिक विकास दर सही दिशा में

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आर्थिक तरक्की पर बात करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में 7.5 फीसदी या उससे अधिक की दर से बढ़ने की क्षमता है। यह आरबीआई के 2024 के पूरे साल के अनुमान 7.2 फीसदी से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि साल के अंत में 7.2 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि की उम्मीद है। पहली तिमाही में आई सुस्ती का प्रमुख कारण लोकसभा चुनाव बताया जा रहा है। भारत में महंगाई को उन्होंने कंट्रोल में बताया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 4 फीसदी है।

कॉमर्शियल रियल एस्टेट सेक्टर में जमकर कर्ज दे रहे बैंक

भारतीय बैंक कॉमर्शियल रियल एस्टेट सेक्टर में जमकर कर्ज दे रहे हैं। आरबीआई के मई में जारी किए गए डेटा के अनुसार, बैंकों का कॉमर्शियल रियल एस्टेट पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 22.94 फीसदी बढ़ा है। इस सेक्टर में बैंकों का कर्ज मार्च, 2024 में 3.96 लाख करोड़ रुपए हो चुका है। मार्च, 2023 और मार्च, 2024 के बीच बैंकों ने अपने लोन में 74,006 करोड़ रुपए की वृद्धि की है। यही आंकड़ा मार्च, 2022 और मार्च, 2023 के बीच 25,342 करोड़ रुपए बढ़ा है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी की 300 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना हुई शुरू

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी की अनुषंगी की सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी टू लिमिटेड ने तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 300 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। कंपनी ने बयान में कहा कि आईएसटीएस (अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली) से जुड़ी पवन ऊर्जा परियोजना को भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) द्वारा चरण-10 में ठेका दिया गया। कंपनी ने बताया कि यह सेकी के लिए कंपनी द्वारा शुरू किया गया पहला नया पवन ऊर्जा संयंत्र है।

मोदी ने संबोधन में सोरेन सरकार पर साधा निशाना

झामुमो के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े

जमशेदपुर में विशाल जनसभा, 660 करोड़ की परियोजनाओं की शुरुआत की

एजेंसी ▶▶ जमशेदपुर

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को झारखंड के जमशेदपुर में विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने झारखंड की मौजूदा गठबंधन की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस आदिवासियों के जंगल जमीन पर कब्जा करने वालों के साथ हैं।

उन्होंने कहा कि झामुमो के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। मोदी ने रांची से 660 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की वर्चुअल (डिजिटल या ऑनलाइन) माध्यम से शुरुआत की। पीएम मोदी ने देवघर जिले में मधुपुर बाइपास लाइन और हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी। कुरकुरा-कनारोन दोहरीकरण परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित की।

झामुमो में कांग्रेस का भूत घुस गया

झामुमो में कांग्रेस का भूत घुस गया है। तुष्टिकरण ही उनका इकलौता एजेंडा बन जाता है। इसके लिए सबसे पहले ये लोग दलित, आदिवासी और पिछड़ा समाज के हितों की बलि चढ़ाते हैं। यही हाल झामुमो का भी हो रहा है।

कोई भी रुकावट मुझे आपसे अलग नहीं कर सकती

पीएम मोदी ने कहा कि बारिश कितनी ही तेज क्यों न हो, रुकावटें कितनी ही ज्यादा क्यों न हो, लेकिन कोई भी रुकावट मुझे आपसे अलग नहीं कर सकती है। मैं आपके दर्शन किए बिना वापस नहीं जा सकता हूं, इसलिए सड़क मार्ग से ही आप सबके दर्शन करने पहुंच गया। क्रांति और बलिदानों की ये धरती, भगवान बिरसा मुंडा के तप, त्याग और आशीर्वाद की ये धरती... मैं झारखंड की इस महान धरती को प्रणाम करता हूं।

आपका भाई करमा पर्व पर उपहार देकर धन्य हो गया

पीएम ने कहा कि आज करमा पूजा के उमंग के बीच यहां आने से पहले मुझे झारखंड को विकास की कई बड़ी सौगात देने का सौभाग्य भी मिला। यहां के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के जरिए पक्के घर भी मिले हैं। इनमें से ज्यादातर घर मेरी माताओं-बहनों के नाम पर हैं। आज आपका ये भाई करमा पर्व के अवसर पर अपनी बहनों को अपने पक्के घर का उपहार देकर धन्य हो गया है।

आपका आशीर्वाद सारे विपक्ष पर भारी पड़ा

मोदी ने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव में विपक्ष मोदी को हराने के लिए बेचैन था। पूरी जमात, बड़े-बड़े षड़यंत्र, बड़ी-बड़ी साजिशें, झूठ की इतनी बड़ी मशीनरी, देश को बांटने और तोड़ने वाली ताकतें... लेकिन आपका आशीर्वाद उन सब पर भारी पड़ा। उन्होंने कहा कि आज देश के दलित-वंचित, गरीब-आदिवासी और महिलाओं का भरोसा मोदी पर है। आज युवाओं का भरोसा मोदी पर है, मध्यम वर्ग का भरोसा मोदी पर है। झारखंड और भाजपा का रिश्ता दिल का है। झारखंड का सपना भाजपा का अपना सपना है।

झारखंड के विकास की चिंता भाजपा ने की

उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिला योजना के जरिए झारखंड के पिछड़े जिलों के विकास की चिंता पहली बार किसने की... भाजपा की सरकार ने। भगवान बिरसा मुंडा की जन्मजयंती पर जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत किसने की... भाजपा की सरकार ने। आज भी भाजपा केंद्र में रहकर झारखंड के विकास के लिए पूरे समर्पण और सेवाभाव से काम कर रही है। झारखंड के विकास के लिए भाजपा कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। हमने 70 साल और उससे अधिक उम्र के हर बुजुर्ग को मुफ्त इलाज की गारंटी दी।

कांग्रेस सबसे भ्रष्ट पार्टी

झामुमो और कांग्रेस आदिवासी विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि इस देश की सबसे बेईमान और महाभ्रष्ट पार्टी एक ही है- कांग्रेस पार्टी। इस देश का सबसे भ्रष्ट परिवार एक ही है- कांग्रेस का परिवार। ये झामुमो वाले भी उसी स्कूल से ट्रेनिंग लेते हैं- कांग्रेस स्कूल ऑफ करप्शन। झामुमो ने 5 साल में केवल एक ही काम किया है- झारखंड की लूट और चारों तरफ भ्रष्टाचार। हेमंत सरकार ने जल, जंगल और जमीन... सबमें भ्रष्टाचार किया है।

केजरीवाल के इस्तीफे की पेशकश पर आरोप-प्रत्यारोपों की बाढ़ बोले भंडारी

दिल्ली की सियासत गरमाई, भाजपा और कांग्रेस ने किया प्रहार

भाजपा ने बताया सीएम का पीआर स्टंट आप ने कहा-ये तो बेदागी का प्रमाण है

भ्रष्टाचार की छवि को धोना चाह रहे दिल्ली के सीएम, सोनिया मॉडल लागू करना चाहते हैं

जनता के बीच उनकी छवि एक ईमानदार नेता की नहीं बल्कि एक भ्रष्ट नेता की। पूरे देश ने देख लिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली आबकारी नीति मामले में जमानत पर बाहर आए सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने पद से इस्तीफे का ऐलान के बाद दिल्ली की सियासत गरमा गई है। भाजपा ने इसे पीआर स्टंट बताया है। भाजपा का कहना है कि केजरीवाल को कोर्ट की शर्तों ने इस्तीफे के लिए मजबूर किया है। राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि यह केजरीवाल का पीआर स्टंट है।

वे समझ गए हैं कि दिल्ली की जनता के बीच उनकी छवि कैसी है? एक ईमानदार नेता की नहीं बल्कि एक भ्रष्ट नेता की। आज पूरे देश में आपएक भ्रष्ट पार्टी के रूप में जानी जाती है। अपने पीआर स्टंट के तहत वह अपनी छवि को बहाल करना चाहते हैं। इससे साफ है कि वह सोनिया गांधी मॉडल लागू करना चाहते हैं। जहां उन्होंने मनमोहन सिंह को डमी प्रधानमंत्री बनाया और पर्दे के पीछे से सरकार चलाई। वे किसी और को बलि का बकरा बनाना चाहते हैं।

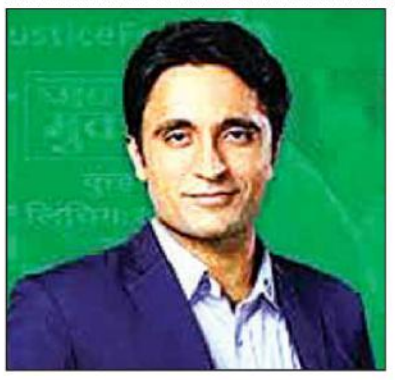

उनके दिल में क्या है मैं क्या जानूः अन्ना हजारे

मुंबई। वरिष्ठ समाज सेवी अन्ना हजारे ने कहा कि मैं केजरीवाल से पहले ही कह रहा था की राजनीति में मत जाओ। समाज की सेवा करो बहुत बड़े आदमी बनोगे। कई साल तक हम लोग साथ में थे। उस समय मैंने बार-बार कहा की राजनीति में नहीं जाना। समाज सेवा आनंद देती है। आनंद बढाओ, लेकिन उसके दिल मे बात नही रही और आज जो होना था वह हो गया। उनके दिल में क्या है मैं क्या जानूं?

केजरीवाल को शीश महल दिखाने की हिम्मत हैः सचदेवा

दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र ने कहा कि केजरीवाल स्वास्थ्य सेवा की बात करते हैं। आज आईसीयू काम नहीं कर रहा।सरकारी अस्पताल में नकली दवा बेची जा रही है। दिल्ली जल बोर्ड 73 हजार के नुकसान में है। ऑटो परमिट पैनिक बटन आदि सभी में घोटाला किया। 8 लाख के परदे 2 करोड़ के बिस्तर पर सोने वाले को इसका जवाब जनता को देना होगा। क्या केजरीवाल को शीश महल दिखाने की हिम्मत है?

आप ने किया केजरीवाल का बचाव

कोई न सोचे कि वे भ्रष्ट हैंः आतिशी

आतिशी ने कहा कि केजरीवाल भ्रष्टाचार, बेईमानी बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। केजरीवाल ने इस्तीफा देने का फैसला इस दर्द से लिया कि दिल्ली का कोई भी व्यक्ति कभी यह न सोचे कि वे भ्रष्ट हैं। पिछले दो सालों से केजरीवाल को भाजपा परेशान कर रही है।

ईमानदारी का नया मानदंड स्थापित कियाः कक्कड़

आप की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि केजरीवाल ने ईमानदारी का नया मानदंड स्थापित किया है और कहा है कि वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर तभी बैठेंगे जब दिल्ली की जनता उन्हें चुनेगी। केजरीवाल जल्द ही विधायकों के साथ बैठक करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे।

वे जेल में सीएम रह सकते हैं, तो बाहर क्यों नहीं : अधीर रंजन

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि अगर किसी को लगता है कि इस धोखे से समस्या का समाधान होगा, तो यह समाधान नहीं बल्कि समाधान का एक विकल्प है और उससे ज्यादा यह मुश्किलें पैदा करेगा। सीएम ममता बेनर्जी जिस तरह के हथकंडे चल रहीं थी, उसे बखूबी जानते हैं। केजरीवाल ने हाल ही में ऐलान किया था कि वे दो दिनों के भीतर मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे देंगे। यह उनकी इच्छा है। अगर वे जेल में भी मुख्यमंत्री रह सकते हैं, तो बाहर भी रह सकते हैं। और भी मुद्दे हैं, जिन ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

केजरीवाल का सियासी सफर

2014 में सीएम पद से अचानक इस्तीफा देकर चौंकाया था

2013 में दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के 49 दिन बाद ही केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया था। केजरीवाल ने जन लोकपाल बिल पर विधानसभा में अल्पमत में रहने पर इस्तीफा दे दिया था। केजरीवाल ने भ्रष्टाचार पर रोक के लिए दिल्ली विधानसभा में जनलोकपाल बिल पेश किया था, लेकिन विपक्षी पार्टियों भाजपा और कांग्रेस ने इसे समर्थन देने से इनकार कर दिया था।

दिल्ली के 7वें मुख्यमंत्री हैं केजरीवाल

केजरीवालएक भारतीय राजनीतिज्ञ और पूर्व नौकरशाह हैं, जो फरवरी 2015 से दिल्ली के वर्तमान और 7 वें मुख्यमंत्री हैं। साल 2015 में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव में केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की।

रेमन मैग्सेसे अवार्ड से सम्मानित

2006 में भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान में सूचना के अधिकार कानून का उपयोग करते हुए जमीनी स्तर पर आंदोलन चलाने के लिए केजरीवाल को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

सीएम शिंदे का बड़ा दावा

नवंबर में चुनाव संभव, 10 दिन में तय होगा सीटों का 'गणित'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इस बीच सीएम एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नवंबर के दूसरे हफ्ते में होने की संभावना है और सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे को अगले 8 से 10 दिन में अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

सीएम शिंदे ने मुंबई में अपने आधिकारिक आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि 288 सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए दो चरणों में चुनाव कराना बेहतर रहेगा। उन्होंनेकहा कि महायुति सरकार विकास और कल्याणकारी उपायों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

जीत की अधिक प्रत्याशा ही प्रत्याशी का मानदंड

सीएम शिंदे ने कहा कि दो चरणों में चुनाव कराना बेहतर रहेगा। महायुति सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के लिए जीत की अधिक प्रत्याशा ही मानदंड होगा। सीएम शिंदे ने आगे कहा कि उन्हें महिलाओं के बीच सरकार के लिए समर्थन दिख रहा है और उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार आम लोगों की सरकार है। उन्होंने कहा कि हमने विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बीच संतुलन कायम किया है।

महिलाओं को मिली करोड़ों की मदद

शिंदे ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 1.5 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं, जिसके लिए उन्हें 6,000 से 10,000 रुपए तक का वजीफा मिलेगा। इस कार्यक्रम में 10 लाख युवाओं को शामिल करने का लक्ष्य है। शिंदे ने कहा कि सरकार की 'लाडकी बहिन योजना' के तहत अब तक 1.6 करोड़ महिलाओं को वित्तीय सहायता मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी योजना 2.5 करोड़ महिलाओं तक पहुंचने की है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य मुंबई को झुग्गी-झोपड़ी मुक्त बनाना और सभी के लिए सस्ता आवास सुनिश्चित करना है।

खबर संक्षेप

कोटा में गणेश पंडाल पर विवाद, पथराव किया

कोटा। राजस्थान में शाहपुरा जिले के जहाजपुर में जलझूलनी जुलूस पर हुए पथराव से मचा बवाल अभी थमा भी नहीं कि कोचिंग सिटी कोटा में गणेश पंडाल लगाने को लेकर दो पक्ष भिड़ गए। यहां पथराव हो गया। पथराव होते ही भगदड़ मच गई।

देश की सबसे अमीर महिला के पास कार नहीं

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव में नामांकन करने की प्रक्रिया 12 सितंबर को खत्म हो गई। नामांकन करने वाले चेहरों में देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल भी शुमार हैं। हिसार से पर्चा भरा है। उनके पास एक कार तक नहीं है।

7 तक सीबीआई हिरासत में रहेंगे संदीप व मंडल

कोलकाता। यहां मेडिकल कॉलेज में हत्या के मामले की जांच कर रही सीबीआई ने शनिवार शाम को मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. संदीप घोष और पुलिसकर्मी को गिरफ्तार किया था। दोनों को सियालदाह एसीजेएम ने को 17 सितंबर तक हिरासत में भेजा है।

बिहार के किशनगंज और गया में बड़ा हादसा

फरिंगोला के पास ट्रेन में बने भगदड़ के हालात

मालदा कोर्ट से सिलीगुड़ी जाने वाली ट्रेन के इंजन में आग, लोगों में मची अफरा-तफरी

एजेंसी ▶▶ किशनगंज

बिहार के किशनगंज एक बार फिर से ट्रेन में बड़ा हादसा हुआ है। किशनगंज-पाजीपड़ा के बीच फरिंगोला के पास मालदा कोर्ट से सिलीगुड़ी जंक्शन जाने वाली ट्रेन संख्या 07519 के इंजन में आग लग गई।

इसकी खबर मिलते ही अलग-अलग कोच के यात्रियों के बीच अफरातफरी की स्थिति बनी। लोग घबराकर चिल्लाने लगे। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। शहर के एनएच 27 तेघरिया रेल गेट के पास रोका गया जिसके बाद आग लगने की सूचना रेलवे पुलिस स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग को दिया गया। इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

पटरी छोड़कर खेत में चलने लगा रेल इंजन

गया। यहां एक मालगाड़ी ट्रेन का इंजन पटरी से उतर कर खेत में चला गया लोको पायलट जब तक ब्रेक लगाता तब तक इंजन बेपरी हो चुका था। घटना गया- कोडरमा रेलखंड के वजीरगंज स्टेशन एवं कोल्हाना हॉल्ट के बीच रघुनाथपुर गांव के पास शुक्रवार शाम को हुई।

ट्रैक बदलते वक्त हादसा

इधर, मालगाड़ी के बेपटरी होते ही इलाके में हड़कंप मच गया। खेत में काम कर रहे लोग इधर-उधर भागने लगेलोगों का कहना है कि इंजन के अनियंत्रित होते ही लोको पायलट नीचे उतर गया। रफ्तार कम होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। इंजन को आंशिक क्षति हुई है। मामले में पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि ट्रैक चेंज होने के कारण इंजन बेपटरी होकर खेत में चला गया। रेलवे यार्ड के अंतिम छोड़ पर यह हादसा हुआ। रेलवे की टीम ने मामले की जांच की है। घटना में किसी कोई क्षति नहीं हुई। रेलवे ट्रैक पर भी हालात सामान्य हैं। रेलवे की टीम ने एक घंटे के अंदर मालगाड़ी को दुरुस्त कर दिया।

केंद्रीय मंत्री मांझी का राहुल पर बड़ा तंज

विपक्ष के नेता घर का भेदी लंका ढाए काम कर रहे

वे विभीषण हैं...कोई भी हिंदुस्तानी विदेश में देश का अपमान नहीं करेगा

एजेंसी ▶▶

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कांग्रेस के वरीय नेता और सांसद राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अपने देश के बारे में दूसरे देशों में यह नहीं बोलना चाहिए था। अपने देश के प्रति सब लोग ईमानदार है, कोई भी देशभक्त ऐसा नहीं कह सकता है।

राहुल गांधी अपने देश के नहीं विदेशों के नेता हैं। यही कारण है कि विदेशों में जाकर राहुल हिंदुस्तान के बारे में ऐसा बोलते हैं। कोई हिन्दुस्तानी ऐसा नहीं बोल सकता है तो राहुल को भी नही बोलना चाहिए। वह विपक्ष के नेता हैं। उन्हें सांसद में बोलना चाहिए। राहुल घर का भेदी लंका ढाए वाला काम कर रहे हैं।

राहुल भारत को निष्पक्ष जगह नहीं मानते

बीते हफ्ते राहुल की अमेरिका यात्रा के दौरान उनके दिए बयानों पर जमकर हंगामा मचा रहा। जातिगत जनगणना से लेकर आरक्षण तक के मुद्दे पर विवाद हुआ। भारत विरोधी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से उनकी मुलाकात पर सबसे ज्यादा विवाद हुआ। राहुल ने कहा था कि जब भारत एक निष्पक्ष जगह बन जाएगा तो कांग्रेस आरक्षण खत्म करने पर विचार करेगी। भारत में 90 फीसदी आबादी दलित, पिछड़ों और आदिवासियों की है, जो खेल में शामिल ही नहीं हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक ने कहा- हमारी नहीं ली जा रही सुध

पुलिस ने की बैरिकेडिंग, नहीं ली गई थी परमिशन

एजेंसी ▶▶ जींद

विधानसभा चुनाव बीच जींद में किसान संगठनों ने रविवार को मजदूर महापंचायत होनी थी।

इससे पहले शनिवार रात को पुलिस ने पंजाब-हरियाणा बॉर्डर को कैथल में गुहला चीका और संगतपुरा के पास सभी रास्तों को सीमेंट की बैरिकेडिंग लगाकर पूरी तरह बंद कर दिया। महापंचायत उचाना की अतिरिक्त कपास मंडी में होनी थी। संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के नेता ने बताया कि महापंचायत में हरियाणा के अलावा पंजाब के भी लगभग 50 हजार किसान शामिल होने वाले थे।

जींद में किसान महापंचायत पर फंसा पेंच

महापंचायत का उद्देश्य

उचाना थाना एसएचओ ने बताया कि इस महापंचायत के लिए किसानों की और से किसी भी तरह की परमिशन नहीं ली गई है। चीका में बॉर्डर सील कर दिया गया है। किसान नेता का कहना है कि हमारी पंचायत का एजेंडा यह है कि पिछले 10 सालों में किसान-मजदूर और बेरोजगारों के ऊपर अत्याचार करने वाली भाजपा सरकार को कैसे सबक सिखाया जाए।

काफिले को हरियाणा पुलिस ने रोका

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने इसे हरियाणा पुलिस की गुंडागर्दी बताया। डल्लेवाल ने कहा कि कल रात से ही हरियाणा पुलिस ने पंजाब से हरियाणा की ओर जाने वाली सभी सड़कों को पत्थरों से बंद कर दिया है, ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि किसान उचान मंडी में होने वाली किसान महा पंचायत में शामिल न हो सकें।उन्होंने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के सड़कों को खोलने के आदेश के बाद इसे खोला गया था।

किसान नेता ने लगाए ये आरोप

किसान नेता का कहना है कि हम सरकार को बिल्कुल साफ कर रहे हैं कि हम न तो किसी राजनीतिक पार्टी का समर्थन करते हैं और न ही किसी कैंडिडेट के लिए वोट की अपील करते हैं। किसानों की मांग एमएसपी कानून को लेकर है, इसके लिए किसान निश्चिंत होकर इस महापंचायत में शामिल हो। किसान नेता का आरोप है कि पुलिस ने किसानों को नोटिस जारी किए हैं।

बेंगलुरु में लापरवाही

सीएम की सुरक्षा में बड़ी चूक, कुर्सी की तरफ लपका युवक, गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। एक कार्यक्रम के दौरान एक संदिग्ध युवक सीएम की कुर्सी की तरफ लपका, लेकिन समय रहते ही सीएम के सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। सुरक्षाकर्मियों ने युवक को पकड़कर पुलिस कौ सौंप दिया।

पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सिद्धारमैया एक कार्यक्रम में मंच पर मौजूद थे। उसी दौरान एक संदिग्ध युवक तेजी से दर्शकदीर्घा से उठकर मंच पर मौजूद सीएम की कुर्सी की तरफ

लपका। सीएम की सुरक्षा में मौजूद सुरक्षाकर्मी तुरंत खतरे को भांप गए और उन्होंने उसे सीएम की कुर्सी तक पहुंचने से पहले ही दबोच लिया। अभी तक युवक की इस हरकत की वजह का पता नहीं चला है। न ही पहचान हो पाई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मोः 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)